RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ.. सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

वर्ष-03, अंक - 21 (साप्ताहिक) | खवासा, गुरुवार 25 फरवरी 2021 | पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

सुविचार

आप हर दिन दूसरों, को अपने रिकार्ड तोड़ने का प्रतीक्षा मत करो। बल्कि खुद उसे तोड़ने का प्रयत्न करो क्योंकि सफलता के लिए आपकी खुद से लड़ाई है।

चंद्रशेखर आज़ाद

अगर किसान केंद्र की पेशकश पर विचार करें तो सरकार करेगी बातचीत- तोमर

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि, अगर किसान कृषि कानूनों को डेढ़ साल तक स्थगित रखने और इस दौरान संयुक्त समिति के माध्यम से मतभेद सुलझाने की केंद्र की पेशकश पर विचार करने को तैयार हों तो सरकार आंदोलनरत किसानों के साथ बातचीत को तैयार है।

सरकार और किसानों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठनों के बीच अभी तक 11 दौर की बातचीत हो चुकी है और अंतिम बातचीत 22 जनवरी को हुई थी। 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के दिन राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में किसानों की ट्रैक्टर परेड में हुई हिंसा के बाद दोनों पक्षों में बातचीत बंद हो गई।

सरकार किसानों के साथ बातचीत शुरू करने का प्रयास कर रही है या नहीं, इस पर केंद्रीय मंत्री तोमर ने कहा, भारत सरकार किसानों से पूरी संवेदना के साथ चर्चा करती रही है। आज भी जब उनका कोई मत आएगा, तो भारत सरकार हमेशा किसानों के साथ चर्चा करने को तैयार है।

60 वर्ष से ज्यादा उम्र वालों को कोरोना वैक्सीन लगाने के लिए सरकार ने किया ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने 1 मार्च से वरिष्ठ नागरिकों को भी कोरोना वैक्सीन लगाने का ऐलान किया है। 1 मार्च से 60 साल से अधिक आयु वाले लोगों को कोरोना का टीका लगाया जाएगा। यही नहीं गंभीर बीमारियों से पीड़ित 45 साल से अधिक आयु वाले लोगों को भी दवा दी जाएगी। यह पूरी प्रक्रिया देश भर में 10 हजार सरकारी केंद्रों और 20 हजार निजी वैक्सीनेशन केंद्रों पर शुरू होगी। इस बीच कोरोना वायरस एक बार फिर से महाराष्ट्र, केरल समेत कई राज्यों में सिर उठाने लगा है। फरवरी में लगातार तेजी से मामले बढ़ने की वजह से महाराष्ट्र में कई जगहों पर एक बार फिर से कड़े प्रतिबंध लागू किए गए हैं।

रोशनी दिखाने वाली रोशनी, अमावस्या की रात्रि की तरह आखिर किस अंधेरे में है

सोशल मीडिया की पोस्ट पर कमेंट हटाने के लिए पुलिस ने दी धमकी, का आरोप लगाते हुए पत्रकार ने की पोस्ट

माही की गूंज, झाबुआ। संजय मरेवत्र

- हेलो कौन, मैं पेटलावद थाने से रोशनी बोल रही हूं,
- जी बोलिये,
- आपने जो पोस्ट की है उसको हटा लो,
- क्यो ?
- पोस्ट के कमेंट में मेरा नाम लिखा हुआ है,
- आपका नाम कहा है ?
- नही, लिखा हुआ है, आप पोस्ट हटा लो बस,
- पोस्ट से आपका क्या लेना-देना और जिसने कमेंट किए उससे बात करो?
- मुझे नहीं पता आप पोस्ट हटा लेना,

कई बार पुलिस थानों की चार दीवारी के बीच ही कई मामले पुलिस की मनमानी व साठ-गाठ के साथ निपट जाते है, तो कई बार थानों की चार दिवारी के बीच निपटे मामले जन चर्चा का विषय भी बन जाते है। मामला क्या है, क्या हुआ होगा, इसकी जानकारी के लिए पत्रकार और लोग सोशल मीडिया का सहारा लेते है, ताकि कोई अंदर की बात बाहर आ सके। मामला पेटलावद थाना क्षेत्र का है जहां विगत दिनों एक मामले की जन चर्चा से पेटलावद का बाजार गर्म था लोगो मे मामले को जानने की जिज्ञासा हिलोरे मार रही थी,जन चर्चा को सुन कर एक पत्रकार ने ऐसी एक पोस्ट डाली जैसे पुलिस कभी-कभी ऐसे अपराधों को ट्रेस करने के लिए अंधेरे मे तीर चला कर कोशिश करती है और उसे दूसरे किसी अपराध को ट्रेस करने में भी कामयाबी मिल जाती है। पत्रकार की पोस्ट ''बैशर्म वर्दी आखिर कौन है,वो वर्दीधारी जो इन दिनो नगर में चर्चा का विषय बने हुए। आखिर कहा दागदार हुई वर्दी?'' पर भी ऐसा ही कुछ हुआ, पोस्ट पर कमेंट करने वालो ने अपनी-अपनी जानकारी के हिसाब से कमेंट किए। जिसमें ''सुना है...15 लाख दिए है'', ''सुना है दो तारे बहुत रोशनी दे रहे है'', पोस्ट के साथ शायरी के लहजे में कमेंट्स मे हैं जिसमें किसी पुलिसकर्मी के नाम का उल्लेख नही है पर शनिवार शाम एक मोबाइल नंबर 900***8513 से पत्रकार को फोन आता है, जिसमे दूसरी और से एक महिला जो कि, अपने आप को थाने पर पदस्थ कॉन्स्टेबल बताती है और उसके साथ एक ओर व्यक्ति होता है, जो अपना परिचय नही देता और पत्रकार को, की गई पोस्ट को हटाने के लिए दबाव बनाते है और जब पत्रकार ने पोस्ट हटाने से मना किया तो पोस्ट पर लोगो के किए कमेंट्स को लेकर पत्रकार पर दबाव बनाया। जबकि पोस्ट से फोन करने वाले का कोई लेना-देना भी नही था, नही उसका कोई नाम उसमे था।

पत्रकार द्वारा सोशल मीडिया पर डाली पोस्ट।

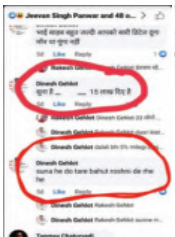

पोस्ट पर डाले गए कमेंट्स।

कमेंट्स के बाद पुलिस द्वारा दी धमकी की पोस्ट।

कमेंट करने वाले को दी धमकी, पुलिस की धमकी को लेकर की सोशल मीडिया पर पोस्ट

पोस्ट पर कमेंट करने वाले दाहोद गुजरात के एक पत्रकार पर वेसे ही फोन कर पोस्ट पर किए कमेंट को हटाने के लिए दबाव बनाकर धमकी तक दी गई। अपने आपको कांस्टेबल बताने वाली महिला और उसके साथ मे एक ओर युवक जो अपने आप को महिला पुलिसकर्मी का भाई बता रहा था, युवक को पोस्ट पर किए कमेंट्स को हटवाने के लिए फोन कर कहा गया। जब पत्रकार ने कहा कि, उसने कुछ गलत नही लिखा है और कमेंट से आपका कोई लेना-देना नही है। तब भी महिला पुलिसकर्मी लगातार युवक दिनेश गेहलोत से पोस्ट पर किए कमेंट्स डिलीट करने के लिए दबाव बनाती रही, जब अपने आपको कॉन्स्टेबल बताने वाली महिला की बात पत्रकार ने नही मानी, तो जिस नम्बर से फोन किया गया उसी नम्बर से पत्रकार को टैक्स मैसेज भेज कर कमेंट हटाने के लिए दबाव बनाया गया। साथ ही पेटलावद थाने की डायल 100 के एक जवान से भी फोन लगवाया गया और कॉन्फ्रेंस पर लेकर पोस्ट करने वाले पत्रकार से भी बात करवाई गई। लगातार दबाव से परेशान पत्रकार दिनेश गेहलोत ने टेक्स मेसेज कर दी गई धमकी के साथ एक पोस्ट सोशल मीडिया पर की, जिसमे साफ कहा गया कि, पेटलावद पुलिस द्वारा धमकी दी जा रही है। गुजरात के पत्रकार दिनेश गेहलोत ने बताया कि, महिला द्वारा कॉल करके अपने आपको कांस्टेबल बताते हुए मुझे धमकी दी गई और मुझे कहा गया कि, अभी की अभी पेटलावद आ फिर बताते है और कमेंट डिलीट करने के लिए फोन और मैसेज कर-कर के परेशान किया गया।

फोन करने वालो का पोस्ट से क्या लेना-देना और आखिर क्यो किए जा रहे है फोन ?

सोशल मीडिया पर की गई पोस्ट से फोन करने वालो का क्या नुकसान हुआ? ओर कोंनसा मामला था जो पोस्ट के कारण जोर पकड़ रहा है। महिला कांस्टेबल ही नही एक और पुलिस वाले ने जो पेटलावद से अन्य थाने पर पदस्थ हो चुका है, पोस्ट पर किसी के द्वारा किए गए कमेंट्स को इशारों-इशारों में अपना बता कर ऐसे किसी मामले में नही होने की बात भी कही गई।

लोगो को रोशनी दिखाने वाली खाकी वर्दी उर्फपेटलावद थाने में पदस्थ पुलिस कर्मचारी रोशनी के इस तरह से फोन कर सोशल मीडिया पर एक सामान्य पोस्ट व उस पर किए गए कमेंट्स पर धमकाने का प्रयास करने के बाद नगर व क्षेत्र में ये ही चर्चा है कि, ''चोर की दाढी में तिनका'' की तर्ज पर आखिर कोनसे मामले में अपने आप को पुनम की रात्री के उगे चांद की रोशनी की तरह बताने वाली रोशनी व पुलिस कर्मचारी आखिर किस मामले में अमावस्या की काली रात की तरह अंधेरे में फंसे है की चर्चाए जोरो पर है।

पूरे मामले में बाजार में चल रही चर्चा में पेटलावद पुलिस का क्या लेना देना? इसकी तो कोई जानकारी नही मिली। लेकिन जिस तरह से पोस्ट ओर उस पर हुए कमेंट को लेकर गुजरात के पत्रकार पर दबाव बनाया गया उससे कही न कही कोई ऐसा मामला जरूर हुआ है जिसके सामने आ जाने के बाद वर्दी जरूर दागदार होती नजर आ रही है। मामले की जानकारी पेटलावद एसडीओपी सौनु डावर को भी दी गई है।

मनरेगा योजना में भारी भ्रष्टाचार, अनुमोदन के नाम पर रुके करोड़ो के काम, पेटलावद सीईओ चौहान को नोटिस जारी

अनुमोदन के लिए पीओ नरेगा पर लग रहे राशि मांगने के आरोप, मनरेगा में रोजगार देने के दावे खोखले

शुरू होकर बन्द कार्यों की सूची।

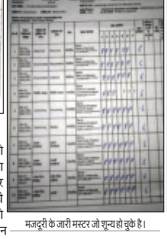

मजदूरी के जारी मस्टर जो शून्य हो चुके है।

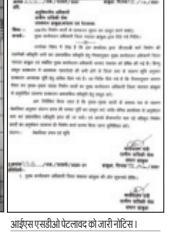

आईएस एसडीओ पेटलावद को जारी नोटिस।

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

मनरेगा योजना के माध्यम से मजदूरी देने का रिकॉर्ड कायम करने के नाम पर सम्मान बटोरने वालो की पूरी पोल खुल रही है, ज्यादातर कार्य पर मजदूरों के नाम से कागजी घोड़े दौड़ा कर भारी मशीनों के माध्यम से कार्य पूरे कर दिए गए। पेटलावद विकास खण्ड में ऐसा ही बड़ा मामला सामने आया है, जहां मनरेगा अंतर्गत आईएस विभाग द्वारा जीएसबी रोड के कार्य स्वीकृत किए गए थे, जिसकी प्रशासकीय स्वीकृती जनपद पंचायत सीईओ द्वारा दी गई। पेटलावद विकास में होने वाले लगभग 3 से 4 करोड़ के मनरेगा के इन कार्यो का उद्घाटन लगभग दो माह पूर्व सांसद और विधायक द्वारा किया गया था, कार्य शुरू भी हो चुके थे लेकिन इन सभी कार्यो को नियमानुसार अनुमोदन जिले के अधिकारियों से करवाना था लेकिन बिना अनुमोदन के ही कार्य शुरू कर दिए गए।

नियम के विरुद्ध जा कर दी गई प्रशासकीय स्वीकृति

शासन की गाईडलाइन के अनुसार सभी कार्यो का अनुमोदन होना था, लेकिन किसी भी कार्य के अनुमोदन के बिना कार्य की प्रशासकीय स्वीकृति जनपद सीईओ पेटलावद एनएस चौहान द्वारा नियम विरुद्ध जाकर दे दी गई। उक्त कार्य जिला सीओ और परियोजना अधिकारी रोक दिए गए और जनपद सीईओ, जनपद पेटलावद एपीओ दलसिंह मुनिया और निर्माण एजेंसी आईएएस को नोटिस जारी किया गया लेकिन आज दिनांक तक सीईओ और आईएएस विभाग द्वारा कोई जबाव नही दिया गया। समस्त कार्यो का अनुमोदन जिला कलेक्टर और जिला सीओ द्वारा करना था, जिसकी पूरी प्रोसेस निर्माण एजेंसी आईएएस और जनपद सीईओ द्वारा करनी थी लेकिन अपने आपको जिला अधिकारियों से ऊपर समझने वाले दोनों विभाग के अधिकारीयो को बिना अनुमोदन के ही कार्यो की प्रशासकीय स्वीकृति जनपद सीईओ ने ही जारी कर दी।

जारी किए मस्टर भी शून्य, अब कार्य शुरू हुए तो भुगतान के लिए जारी होंगे फर्जी मस्टर

विभागीय अनियमित्ता के बीच उलझी पूरी प्रक्रिया में मजदूरों का भारी नुकसान हो गया और लाखो रुपए की मजदूरी का भुगतान अटक गया। स्वीकृत कार्यो के कार्य बिना अनुमोदन के शुरू हो गए थे और सेकड़ो मजदूरों ने कार्य में मजदूरी भी कर ली, मस्टर भी जारी कर दिए गए। लेकिन कार्यो के अनुमोदन नही होने से जिला पंचायत सीईओ ने कार्य रोककर जारी मस्टर भी एजेंसी के माध्यम से शून्य कर दिए, जिससे कार्य करने वाले मजदूरो की मजदूरी अटक गई है। अब अगर इन मजदूरों (पीओ) नरेगा द्वारा का भुगतान किया भी जाता है तो इसके लिए फर्जी मस्टर भरना होगा। जनपद पंचायत और आईएएस विभाग की लापरवाही और मनमानी के कारण लाखो रुपए की मजदूरी का भुगतान अटक गया है।

अनुमोदन के पीछे लेन-देन का खेल, सांसद और विधायक कर रहे थे भूमि पुजन तब कहां थे अधिकारी

विकासखण्ड पेटलावद में होने वाले मनरेगा के ये 3 करोड़ से अधिक के कार्य का भूमि पुजन सांसद और विधायक द्वारा किए गए, कार्य के भूमि पुजन के दौरान विकास खण्ड का पूरा प्रशासनिक अमला साथ था। मिली जानकारी के अनुसार ये सभी कार्य सांसद और विधायक के करीबियों द्वारा किए जा रहे है और नेताओं से भूमि पुजन करवाकर एजेंसी आईएएस की आड़ में नेताओ द्वारा करवाए जा रहे थे, बड़े नेताओं के सहयोग के कारण ही कार्यो को स्वीकृति की पूरी प्रकिया नही की गई और कार्य मनमाने ढंग से किया जा रहा था। वास्तव में उक्त पुरा मामला लेन-देन का हो सकता है, कार्य रुकने के बाद निर्माण एजेंसी उर्फउसके एजेंट अब सभी कार्यो के अनुमोदन के लिए पाइल पीओ नरेगा मनोज भास्कर के पास पहुंची है। बताया जा रहा है अब कार्य शुरू करने के लिए रिश्वत का खेल शुरू हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार कार्यो के अनुमोदन के लिए प्रति कार्य 40 से 50 हजार रुपए की मांग की जा रही है, इसकी पुष्टि कार्य से जुड़े जनप्रतिनिधियों से भी और विपक्ष के विधायक ने कार्यो का भूमि पुजन किया हो और कार्यो को उनके ऊपर जा अधिकारी कार्य को रोक दे, यह पूरा मामला जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है और आने वाले कुछ दिनों में मामला तूल भी पकड़ेगा ये भी तय है। इधर पीओ मनरेगा मनोज भास्कर का कहना है कि, सुदूर सड़क और जीएसबी मार्ग में जिला कलेक्टर और जिला सीओ की अनुमति लेनी पड़ती है, लेकिन नियम विरुद्ध जाकर आईएएस ने टीएस और जनपद सीईओ ने एएस जारी कर दी और सांसद से कार्यो का भूमिपूजन करवा लिया, हम केवल नियम से कार्य करवाने की कोशिश कर रहे है, हमारे पास अनुमोदन करवाने के लिए कोई दस्तावेज नही आए।

वही जनपद व आईएएस के अधिकारी दबी ही जुबान में सही पर कह रहे है अनुमोदन की अधिक राशि अधिकारीयों ने मांगी इसलिए बिना अनुमोदन के ही कार्य शुरू कर दिए।

गणतंत्र दिवस हिंसा मामले में 19 लोगो को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। केन्द्र सरकार ने दिल्ली हाईकोर्ट को बताया कि, केन्द्र के नए कृषि कानूनों के विरोध में गणतंत्र दिवस पर राजधानी में किसानों की ट्रैक्टर परेड के दौरान हुई हिंसा के सिलसिले में 19 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि 25 एफआईआर दर्ज की गई हैं।

अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल चेतन शर्मा और केन्द्र सरकार के स्थायी वकील अजय दिगपाल ने हाईकोर्ट को बताया कि, 50 लोगों को हिरासत में लिया गया है और घटना की जांच की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि, लाल किले पर सुरक्षा के लिए पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है।

हाईकोर्ट ने दिल्ली निवासी धनंजय जैन की अर्जी को सूचीबद्ध करते हुए केंद्र सरकार से कहा कि, वह सुप्रीम कोर्ट में अगर ऐसा कोई मामला है तो उसकी पूरी जानकारी उसे दे।

अर्जी में अनुरोध किया गया है कि, किसान आंदोलन के नाम पर धरना दे रहे लोगों को हटाया जाए और सभी सड़कों तथा सार्वजनिक स्थानों को खाली कराया जाए। उसमें दिल्ली पुलिस कमिश्नर को तत्काल पद से हटाने और गणतंत्र दिवस पर लाल किले की घटना के संबंध में अपना कर्तव्य कथित रूप से पूरा नहीं कर पाने वाले सभी पुलिस अधिकारियों को दंडित करने का अनुरोध भी किया गया है।

उत्तर भारत पर राहुल गांधी के बयान पर कपिल सिब्बल की नसीहत

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल में उत्तर भारत की राजनीति को लेकर टिप्पणी करने वाले अपने नेता राहुल गांधी को लेकर कांग्रेस बैकफुट पर नजर आ रही है। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद आनंद शर्मा ने राहुल गांधी के बयान को लेकर कहा है कि, वही इस बारे में बता सकते हैं कि वह क्या कहना चाहते थे। वहीं सीनियर लीडर कपिल सिब्बल ने उन्हें एक तरह से नसीहत देते हुए कहा है कि, हमें मतदाताओं का सम्मान करना चाहिए। कपिल सिब्बल ने राहुल गांधी के बयान को लेकर कहा, राहुल गांधी के बयान की जहां तक बात है तो मैं, उन पर कमेंट करने वाला कौन हो सकता हूं, उन्होंने जो बात कही है, वही बता सकते हैं कि उन्होंने किस संदर्भ में यह बात कही है।

यही नहीं कपिल सिब्बल ने कहा, 'मैं तो सिर्फइतना ही कहना चाहता हूं कि, देश का मतदाता बुद्धिमान है, हमें उनकी बुद्धिमत्ता का सम्मान करना चाहिए, भले ही वह मतदाता देश के किसी भी हिस्से का हो, आखिर वह मतदाता ही होता है, जो वोट देकर आपको सत्ता में लाता है या फिर बेदखल करता है। राहुल गांधी के बयान पर पूछे गए सवाल के जवाब में कपिल सिब्बल ने कहा, 'मतदाता बेहद समझदार हैं। वे जानते हैं कि किसे वोट करना है और किस कैंडिडेट को मत देना है।

एक तरफकपिल सिब्बल ने राहुल गांधी को नसीहत दी वहीं भाजपा पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि, इस बात पर हंसी आती है कि भाजपा कह रही है कि हम देश को बांटने का प्रयास कर रहे हैं। यह वह सरकार है, जो सत्ता में आने के बाद से ही लोगों को बांटने की कोशिश में जुटी है।

बालाजी धाम पर चल रहा मां मोड़ेश्वरी का दो दिवसीय पाटोत्सव

- नवचंडी यज्ञ, महाआरती तथा महाप्रसादी का होगा आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ।

शहर के कृषि विभाग के पीछे स्थित बालाजी धाम पर प्रतिवर्षानुसार की तरह इस वर्ष 14 वां पाटोत्सव का आयोजन 24 तथा 25 फरवरी को किया जा रहा है। जिसमें मुख्य रूप से नवचंडी हवन तथा माताजी की महाआरती तथा महाप्रसादी का आयोजन रखा गया है।

मातंगी पारमार्थिक ट्रस्ट झाबुआ के अध्यक्ष तथा प्रमुख ट्रस्टी राकेश त्रिवेदी ने बताया कि बुधवार को दोपहर 11 बजे कलश स्थापना, 12.15 बजे माताजी का अभिषेक, दोपहर 1.15 बजे नवचंडी हवन, दोपहर 3 से शाम 5 बजे तक महिला मंडल द्वारा महिला संगीत तथा शाम 6.15 बजे संध्या आरती का आयोजन किया गया। इसी प्रकार गुरूवार को सुबह 8.30 बजे पूजन तथा नवचंडी यज्ञ, 10 से 11.30 बजे तक स्वल्पाहार बाद यज्ञ की पूर्णाहूति पर 11.30 बजे महाआरती होगी। दोपहर 12.30 बजे गोष्ठी तथा सम्मान समारोह रखा गया है। दोपहर 1.30 से 3.30 बजे तक महाप्रसादी का आयोजन होगा। कार्यक्रम के मुख्य यजमान मंदिर समिति के अध्यक्ष तथा प्रमुख ट्रस्टी राकेश द्वारकाधीश त्रिवेदी के पुत्र शिवांग त्रिवेदी रहेंगे।

शासकीय योजनाओं से जोड़ने तथा जागरूकता हेतु नगरपालिका द्वारा किया जा रहा शिविरों का आयोजन

वार्ड क्र. 1 में आयुष्मान कार्ड के साथ पेंशन हेतु हितग्राहियों ने किया आवेदन

माही की गूंज, झाबुआ।

जिला कलेक्टर रोहित सिंह द्वारा नगरीय प्रशासन की समीक्षा बैठकर में दिए गए निर्देशानुसार नरगपालिका परिषद् अध्यक्ष मबूबेन डोडियार तथा सीएमओ एलएस डोडिया के मार्गदर्शन में शहर में निवासरत आम नागरिकों को विभिन्न शासकीय योजनाओं से जोड़ने तथा जागरूकता हेतु वार्डवार शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान मुख्य रूप से पात्र हितग्राहियों की पेंशन स्वीकृति, पेंशन हितग्राही सत्यापन, सम्रग आधार सिडिंग तथा पात्र व्यक्तियों के आयुष ग्राड कार्ड बनाने का कार्य किया जा रहा है।

यह शिविर 4 मार्च तक चलेंगे। इसी क्रम में सोमवार को वार्ड क्र. 1 तथा 9 के शिविर का आयोजन वार्ड क्र. 1 में कॉलेज मार्ग स्थित मोगली गार्डन पर हुआ। शिविर में सीएससी के रूप में लक्ष्मण परमार तथा दिपेश आचार्य ने सेवाएं दी। वहीं नपा के अधिकारियों में निधि ठाकुर, अनिशा राजसिंह, पार्वती ओहरिया, आशीष भाबोर, अशोक भाबोर, महेश माली, इंदिरा डोशी, किशोर माली, प्रीती करमरकर, भारती चौहान, सुनिल थॉमस ने उपस्थित रहकर दोनो वार्ड के रहवासियों को शासन की लाभकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ विभिन्न प्रकरणों के निराकरण हेतु आवेदन प्राप्त करने तथा आवश्यक परामर्श देने का भी कार्य किया।

झाबुआ के वार्ड क्र. 1 तथा 9 का शिविर कॉलेज मार्ग स्थित मोगली गार्डन पर संचालित हुआ।

रहवासियों ने दिखाई रूचि

दोनो वार्डों के संयुक्त शिविर का आयोजन मोगली गार्डन पर सुबह 10.30 से शाम 5 बजे तक चला। वार्ड पार्षद पपीश पानेरी ने बताया कि इस दौरान भारत आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु कुल 17 पात्र व्यक्तियों द्वारा आवेदन करने, इंदिरा गांधी वृद्धावस्था पेंषन हेतु 1 आवेदन, मुख्यमंत्री कल्याणी योजना हेतु 1 आवेदन, मुख्यमंत्री अविवाहिता पेंशन हेतु 1 आवेदन प्राप्त हुआ। साथ ही वार्ड क्रमांक 1 तथा 9 में पेंशन प्राप्त कर रहे सभी हितग्राहियों का सत्यापन भी इस दौरान किया गया। इसी प्रकार 23 फरवरी, मंगलवार को वार्ड क्र. 2 तथा 3 के शिविर का आयोजन स्थानीय हुड्डा स्कूल पर हुआ।

आगामी दिनों में यहां पर होगा षिविर, रहवासी अधिकाधिक लाभ ले

24 फरवरी को वार्ड क्र. 4 तथा 5 के शिविर का आयोजन राजवाड़ा मंच पर, 25 फरवरी को वार्ड क्र. 6 तथा 7 के शिविर का आयोजन कमल टॉकिज गली के पास, वार्ड क्र. 8 तथा 10 के शिविर का आयोजन नेहरू मार्ग पर ईमली तिराहा, 27 फरवरी को वार्ड क्र. 11 तथा 12 का गोपाल कॉलोनी में गोपाल मंदिर के पास, 1 मार्च को वार्ड क्र. 13 तथा 14 का शिविर डीआरपी लाईन मैदान पर, 2 मार्च को वार्ड क्र. 15 तथा 16 का दिलीप गेट पर, 3 मार्च को वार्ड क्र. 17 के शिविर के आयोजन उत्कृष्ट उमा विद्यालय के बाहर तथा वार्ड क्र. 18 का शिविर पशु चिकित्सालय प्रांगण में सुबह 10.30 से शाम 5 बजे तक आयोजित होगा। वार्ड के समस्त रहवासियों से उपस्थित रहकर लाभ लेने की अपील की है।

नगर के जैन मंदिर में हुई लाखों की चोरी

मंदिर के दान पात्र से नगदी, चांदी के आभूषण, दस लाख से ज्यादा की चोरी होने की आशंका

माही की गूंज, झकनावदा। आनंद सोलंकी

ग्राम के सदर बाजार में स्थित अति प्राचीन जैन मंदिर में अज्ञात चोरों ने शनिवार कों धावा बोला, चोरों ने पहले मंदिर के मुख्य द्वार को तोड़ा और मंदिर में जमा पूंजी के भंडार को भी तोड़ दिया। मंदिर के व्यवस्थापक निर्मल मांडोत ने बताया कि, मंदिर भंडार में लॉकडाउन के पूर्व 15 मई 2019 को मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पर चढोतरी की राशि जमा थी, उसके साथ ही मंदिर में भगवान महावीर स्वामी की तीनों मूर्तियों के चांदी से सुसज्जित हाथों के आभूषण एवं चांदी के तीनों मुकुट पर भी चोरों ने हाथ साफ किया है, करीब 10 लाख रुपए के आभूषण व नगदी पर चोरों ने हाथ साफकिया। घटना का पता तब चला जब मंदिर के व्यवस्थापक निर्मल मांडोत के बड़े भाई कन्हैयालाल मांडोत रोज की तरह मंदिर में साफ सफाई एवं दर्शन करने आए थे, उन्होंने वहां देखा कि, मंदिर व गुल्लक के ताले टूटे हुए है और मूर्तियों से मुकुट वह हाथों से चांदी के आभूषण गायब है। उन्होंन तत्काल चौकी प्रभारी झकनावदा जीएस मावी को इसकी सूचना दी उसके बाद मंदिर परिसर के बाहर समाजजन एकत्रित हुए, घटनास्थल पर रायपुरिया टीआई तेजमल पवार भी पहुंचे।

बता दे कि, पुलिस की विफलता के कारण इसके पहले भी झकनावदा में अज्ञात चोरों ने छोटी-मोटी चोरियों को अंजाम दिया है, किसी के खेत से मोटर चोरी हुई है तो, किसी के घर के शटर को तोड़ा गया है और चोरी की कोशिश की गई है, अभी कुछ दिन पहले ही किराना व्यापारी संजय कोठारी के दुकान के बाहर रखी मोटरसाइकिल चोरी हो गई थी। आए दिन झकनावदा में चोरों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं इस और पुलिस विभाग को सख्त से सख्त कदम उठाना चाहिए। पुलिस द्वारा रात्रिकालीन गस्त लगाई जा रही थी वह भी कभी लग रही है और कभी नहीं लग रही है इसे पुलिस की उदासीनता ही कह सकते हैं। घटना के 6 दिन बीत जाने के बाद पुलिस को चोरी के मामले में कोई बड़ी सफलता हाथ नही लगी है।

धार जिले की सीमा लगा हुआ है झकनावदा

झकनावदा जिले के रामा क्षेत्र सहित सीमावर्ती जिला धार से लगा हुआ है, चोरियों में चोर इस क्षेत्र के हो सकते है जो अपना काम करके निकल गए, पुलिस को अपनी जांच के दायरे को बड़ा करना होगा। फिलहाल पुलिस चोरी की वारदात को अंजाम देने वालो की जानकारी जुटाने में लगी है लेकिन कोई खास सफलता हाथ नही मिल लगी है।

ऋतु सोडानी ने जीता 'बेस्ट पॉप्यूलर' का खिताब

मिसेस इंडिया यूनिवर्स-2019 रूपल मेहता से अवार्ड प्राप्त किया

माही की गूंज, झाबुआ।

पश्चिमी मप्र माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा प्रदेशभर की माहेश्वरी समाज की मातृ शक्तियों के लिए 'स्पार्कलिंग स्टार' कॉम्पिटिशन-2021 का आयोजन किया गया। जिसमें संपूर्ण प्रदेश में 105 प्रतिभागियों ने अपना पंजीयन करवाकर अपना परफरमेंस दिया। जिसमें पूरे मप्र से जिले की माहेश्वरी समाज की बेटी तथा इनरव्हील क्लब ऑफ झाबुआ शक्ति की सक्रिय अध्यक्ष ऋतु सर्वेश सोडानी ने इस प्रतियोगिता में टॉप-11 में स्थान अर्जित किया। साथ ही अंतिम राउंड में 'बेस्ट पॉप्यूलर' का खिताब हासिल किया है।

यह प्रतियोगिता 7 चरणों में आयोजित हुई। जिसमें 5 चरण में ऑनलाईन प्रस्तुति तथा शेष 2 राउंड के साथ एक फिनाले राउंड इंदौर के दस्तूर गार्डन में आयोजित हुआ। जिसमें झाबुआ शहर में हमेशा सामाजिक तथा रचनात्मक कार्यों में अग्रणी रहने वाली ऋतु सोडानी ने भी पार्टीसिपेट किया। उन्होंने प्रथम 5 राउंड क्वालीफाईड किए। जिसमें प्रथम इंट्रोडक्शन, द्वितीय टेलेंट राउंड, तृतीय क्रिएटिविटी राउंड, चौथा इंडोवेस्टर्न राउंड तथा पांचवा 'ये रिश्ता क्या कहलाता' है राउंड में अच्छी प्रस्तुति देकर छटवें इंटरव्यू राउंड में 'हाथ सीता का राम को दिया, जनक राजा देंगे और क्या' गाना गाकर सभी जजेस को इंप्रेस किया। छटवा राउंड शानदार तरीके से कंप्लीट किया और टॉप-11 में उनका सिलेक्शन हुआ।

'बेस्ट पोप्यूलर' का खिताब अर्जित किया

इंदौर में अंतिम ग्रैंड फिनाले राउंड में ऋतु सोडानी ने साउथ इंडियन गेटअप और इंडो-वेस्टर्न गेटअप लिया और रैंप वॉक किया। बाद जजेस द्वारा किए गए प्रश्नोंत्तरी में भी अव्वल रहकर मिसेस इंडिया यूनिवर्स-2019 रूपल मेहता से बेस्ट पॉप्यूलर का अवार्ड प्राप्त किया। ज्ञातव्य रहे कि चयन करने वाले सभी जजेस राष्ट्रीय स्तर के होकर यह कॉम्पिटिशन काफी टफ था। जिसे ऋतु सोडानी ने अपने हौंसलों और जज्बे के बल पर सभी चरण पार करते हुए अंततरू 'बेस्ट पोप्यूलर' का खिताब अर्जित करने में सफलता हासिल की।

वीडियों को मिले सबसे ज्यादा लाइक

इसके साथ ही सभी राउंड्स में सभी प्रतियोगियों के ऑनलाइन विडियोज में सबसे ज्यादा लाईक भी ऋतु सोडानी के ही वीडियोज को मिले। ऋतु सोडानी की इस उपलब्धि पर उन्हें माहेश्वरी समाज झाबुआ के साथ इनरव्हील क्लब ऑफ झाबुआ की समस्त पदाधिकारी-सदस्यों ने भी हर्ष व्यक्त किया है।

पीजी कॉलेज झाबुआ में कम्प्यूटर साइंस की फीस कम करने की मांग, अभाविप के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं ने सौंपा प्राचार्य को ज्ञापन

माही की गूंज, झाबुआ।

शासकीय शहीद चन्द्रशेखर आजाद स्नातकोत्तर महाविद्यालय झाबुआ में अध्ययनरत कम्प्यूटर साइंस के प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय वर्ष के करीब 250 छात्र-छात्राओं ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के जिला संयोजक कापंसिंह भूरिया के नेतृत्व में संस्था प्राचार्य एचआर अनिजवाल को ज्ञापन सौंपकर उक्त संकाय की फीस कम करने की मांग की है।

कॉलेज के उक्त संकाय के छात्र-छात्रा भावेश गवली, अजय, संदीप नायक, प्रकाश, धमेन्द्र, सुनील, रमेश, नेहा, पूजा, निर्मला, रंतु, मीत, सुमित आदि ने पीजी कॉलेज प्राचार्य अनिजवाल को ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि सभी छात्र-छात्राएं बीएससी कम्प्यूटर साइंस के विद्यार्थी होकर जनभागीदारी समिति द्वारा 6 हजार 90 रुपये फीस भरना सूचित किया गया है। जिसमें एसटी-एससी के छात्र-छात्राओं के लिए 3 हजार 90 रुपये है।

आंदोलन की दी चेतावनी

वर्तमान में कोरोना कालखंड में कक्षाएं नहीं लगी है। लेब कार्य भी नहीं हुआ है तथा वर्तमान में कॉलेज प्रबंधन के पास कम्प्यूटर विषय के प्राध्यापक भी नहीं है, जो छात्र-छात्राओं कोर्स कंपलीट करवा सके। बावजूद इसके उक्त संकाय के समस्त विद्यार्थियों से पूरी फीस ली जाना सहीं नहीं है। जिसे देखते हुए सभी विद्यार्थियों ने उक्त संकाय के तीनों सत्रों के छात्र-छात्राओं की फीस कम करने की मांग की है। साथ ही समस्या का निराकरण नहीं होने पर आंदोलन की भी चेतावनी दी है। ज्ञापन के बाद उचित कार्रवाई हेतु संस्था प्राचार्य ने आश्वस्त किया। ज्ञापन की प्रतिलिपि छात्र-छात्राओं ने डीएवीवी इंदौर के कुलपति, जिला कलेक्टर तथा एसडीएम झाबुआ को भी कार्रवाई हेतु प्रेषित की है।

मेरे माता पिता आज के हीरो

अब शाश्वत बने मुनि श्री विधान विजय जी मसा

माही की गूंज, झाबुआ।

दीक्षा के बाद मुनि श्री विजय जी।

झाबुआ के शाश्वत संजय मेहता ने आज आचार्य श्रीमद् विजय जयानंद सुरीश्वरजी मसा के हाथों दीक्षा का प्रतीक रजा रोहण प्रदान कर जैन भगवती दीक्षा प्रदान की और नया नाम मुनि श्री विधानविजय जी मसा दिया। उल्लेखनीय है कि श्री शाश्वत के साथ 7 अन्य मुमुक्षु ने भी जैन दीक्षा आचार्य श्री की नीश्रा मे अंगीकार को। दीक्षा कार्यक्रम में झाबुआ से श्रीसंघ अध्यक्ष और शाश्वत के पिता संजय और माता कविता मेहता ने समस्त दीक्षा पूर्व की रश्मे पूर्ण की। समारोह में आचार्य श्री जयानंद सुरीश्वरजी सहित कई मुनि साध्वी, समाजजन और झाबुआ श्रीसंघ उपस्थित था। श्री शाश्वत ने दीक्षा पूर्व अपना संक्षिप उद्बोधन भी दिया। उन्होने कहा कि आज मेरे लिए गौरव का क्षण आया है। जिसका मैं इंतजार विगत 2 वर्षों से कर रहा था। मेरे माता-पिता जिन्होने मुझे जन्म दिया और दादा-दादी, भाई का हमेशा उपकारी रहूंगा। जिन्होने मुझे धार्मिक संस्कार देकर मुझे इस संसार रूपी माया जाल से मुक्त होकर मोक्ष रूपी मार्ग अपनाने हेतु प्रेरणा दी और मुझे मुनि जीवन प्राप्त हो रहा है। सच माने आज के दिन का हीरो मैं नहीं मेरे माता और पिता है। इसके बाद श्री शाश्वत ने गुरु के समक्ष विनम्रता पूर्वक दीक्षा प्रदान करने की विनती प्रदान की। श्री शाश्वत को विधि पूर्वक रजा रोहन उपकरण देकर दीक्षा अंगीकार करने की स्वीकृति दी। सम्पूर्ण उपस्थित समाज जन भाव विभोर हो गए। इसके बाद श्री शाश्वत की मुनि बनने की प्रक्रिया प्रारम्भ हुई। सम्पूर्ण वस्त्र परिवर्तित कर साधु जीवन के सफेद वस्त्र पहने और कठिन कार्य हाथों से केश लोच करवाए इसके बाद मंच पर उपस्थित हुए और गुरु पूज्य जयानंद सुरीश्वर जी ने सम्पूर्ण मंत्रोच्चार कर श्री शाश्वत को दीक्षित किया। उनका साधु जीवन का नाममुनि विधान विजय जी रहेगा।

कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए सभी को जागरूक तथा सतर्कता बरतने की आवश्यकता

जागरूकता के लिए अभियान चलाने के दिए निर्देश, जिला आपदा प्रबंधन की बैठक संपन्न

माही की गूंज, झाबुआ।

कोविड-19 के तहत गठित जिला आपदा प्रबंधन समिति की बैठक मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर तथा जिला दण्डाधिकारी रोहित सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। सिंह ने इस बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम तथा बचाव के लिए हम सभी को जागरूक तथा सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। इस बीमारी से बचने के लिए कोविड-19 के नियमों का कड़ाई से पालन करने की जरूरत है। जिले में आगामी दिनों में आने वाले हाट बाजारों तथा भगोरिया उत्सव के दौरान शारीरिक दूरी, मास्क का उपयोग, हाथों को बार-बार सेनेटाईज करने इत्यादि नियमों का कड़ाई से पालन करने की जरूरत है।

कलेक्टर सिंह ने जिले के सभी अनुविभागीय दण्डाधिकारियों और तहसीलदारों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्र में कोविड-19 से बचाव तथा रोकथाम के लिए जनजागरूकता अभियान चलाए। साथ ही जनपद पंचायतों के माध्यम से ग्राम पंचायतों में सोशल डिस्टेंसिंग रखने, मास्क का उपयोग करने तथा हाथों को सेनेटाईज करने की लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिए है। सिंह ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत तथा परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण को ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्र में कोविड-19 के संक्रमण के बचाव तथा रोकथाम के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए।

जिले में टीकाकरण की स्थिति की समीक्षा की

कलेक्टर सिंह ने दुकानों तथा व्यापारीक प्रतिष्ठानों में मास्क का उपयोग करने, शारीरिक दूरी रखने तथा सेनेटाईजर का उपयोग करने के निर्देश दिए। सिंह ने कोविड-19 के बचाव तथा रोकथाम के लिए जिले में टीकाकरण की स्थिति की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिए। मुख्य चिकित्सा तथा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जेपीएस ठाकुर ने अवगत कराया कि कोविड-19 के तहत जिले में 80 हजार नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए। जिसमे से 2 हजार 587 नमूने पॉजीटिव पाए गए। जिसमें से 2 हजार 500 व्यक्तियों को उपचार उपरान्त छुट्टी दे दी गई है। वर्तमान में शासन निर्देशानुसार नमूने लिए जा रहे हैं। डॉ. ठाकुर ने अवगत कराया कि जिले में अब तक 87 प्रतिशत टीकाकरण किया जा चुका है। इस बैठक को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिद्धार्थ जैन ने भी सम्बोधित किया। बैठक में समिति के सदस्यों ने आवश्यक सुझाव रखे। कलेक्टर सिंह ने कहा कि इस बैठक में प्राप्त सुझाओं को अमल में लाने का प्रयास किया जाएगा। इस बैठक में पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, अपर कलेक्टर जेएस बघेल, सहायक कलेक्टर आकाश सिंह, अपर कलेक्टर एमएल मालवीय, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ सोहन कनास, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व थांदला ज्योति परते, सिविल सर्जन डॉ. बीएस बघेल, भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मणसिंह नायक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, समिति के सदस्यगण मौजूद थे।

आजाद बलिदान दिवस पर स्वास्थ्य शिविर व सम्मान समारोह का होगा आयोजन

माही की गूंज, थांदला।

अमर शहीद चंद्रशेखर 'आजाद' बलिदान दिवस पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। मुकेश अहिरवार ने दो दिवसीय आयोजन की जानकारी देते हुए बताया कि 27 फरवरी को प्रातः 9 बजे कार्यालय परिसर स्थित 'आजाद' प्रतिमा पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों व गणमान्य नागरिकों द्वारा माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए जाएंगे। साय 4 बजे नगर के प्रमुख आजाद चोक चौराहे पर महिला कोरोना योद्धाओ तथा समाजसेवियों का सम्मान समारोह किया जाएगा। 28 फरवरी को प्रतिवर्ष की परंपरा अनुसार निरूशुल्क स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया जा रहा है।

अलग-अलग पंचायत में नाम होने का फायदा उठाकर महिला ने पिता के नाम के साथ किया मोबिलाइजर पद के लिए आवेदन

शादी के 6-7 वर्षो बाद भी दोनों पंचायत की वोटर लिस्ट में जुड़ा है नाम और अलग-अलग समग्र आईडी भी

मोबिलाइजर भर्ती प्रक्रिया में शासकीय दस्तावेजो के हेरा-फेरी के बड़े मामले हो रहे उजागर

माही की गूंज, पेटलावद।

जिले की ग्राम पंचायतों में मोबिलाइजर की भर्ती क्या निकली फर्जी दस्तावेजों का पूरा खेल सामने आ गया। सरकार ने भले ही एक व्यक्ति के लिए एक आईडी बनाकर, अलग-अलग जगहों पर अपना नाम लिखवाकर शासन की योजनाओं का दोहरा लाभ नही ले पाए इसकी योजना बनाई हो, लेकिन निचले स्तर पर सिस्टम की स्थिति कितनी गंभीर है ये मोबिलाइजर पद के लिए भरे गए आवेदनों से खुलासा हो गया है। गूंज द्वारा लगातार ऐसे मामले उजागर किए जा रहे है जो आपको सोचने पर मजबूर कर सकता है कि, सरकार को कैसे ग्राम पंचायत स्तर के ग्रामीण अंगूठा बताते है।

ताज़ा मामला पेटलावद विकास खण्ड की ग्राम पंचायत माण्डन में उजागर हुआ जहा राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) अन्तर्गत पेसा गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु मोबिलाइजर पद के लिए योग्य उमीदवारों द्वारा आवेदन किए जाना थे। ग्राम पंचायत माण्डन के ईश्वरलाल गरवाल ने मोबिलाइजर पद के आवेदन किया था लेकिन ग्राम पंचायत द्वारा जारी की गई वरीयता सूची में प्रथम स्थान पर सोवनी सोलंकी का नाम था। अभ्यर्थी ईश्वरलाल और सोवनी एक ही पंचायत के होकर एक-दूसरे को व उसके परिवार को अच्छी तरह जानते है, इसलिए पद के लिए जैसे ही सोवनी पिता हरचंद का नाम आया तो अभ्यर्थी ईश्वरलाल ने ग्राम पंचायत माण्डन में हुई मोबिलाइजर की नियुक्ति संदर्भित ज्ञाप में दिए गए चयन की प्रक्रिया व मापदण्ड अनुरूप नहीं की जाने की शिकायत दर्ज करवाई।

ईश्वरलाल ने बताया कि, ग्राम पंचायत माण्डन में 5 फरवरी को सरपंच-सचिव व रोजगार सहायक के संयुक्त हस्ताक्षर से मोबिलाइजर की वरिष्ठता क्रम में सूची जारी कर क्रमांक 1 में वर्णित सोवनी पिता हरचंद सोलंकी का चयन मोबिलाइजर पद पर किया गया है, लेकिन सोवनी पिता हरचंद सोलंकी का विवाह विगत 6-7 वर्ष पूर्व ग्राम उनाई के व्यक्ति से हो चुका है और वर्तमान में सोवनी अपने पति के साथ ग्राम उनाई में निवास करती है। जिसकी पुष्टि समग्र आईडी एवं मतदाता सूची से की जा सकती है। संदर्भित ज्ञाप में चयन की प्रक्रिया के बिंदु क्रमांक 21 के दुसरे भाग में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि, आवेदक ग्राम पंचायत का स्थानीय निवासी हो। जबकि सोवनी का विवाह अन्य ग्राम (उनाई) में होने से उनके द्वारा ग्राम माण्डन में निवास नहीं किया जाता है तथा श्रीमती सोवनी द्वारा ग्राम माण्डन एवं ग्राम उनाई में दोनों जगह अपनी समग्र आईडी तथा मतदाता सूची में अपने नाम अंकित करवा रखा है, जो नियम विरूद्ध है। जबकि एक व्यक्ति के दो अलग-अलग स्थानों पर नाम अंकित होना संदेह के घेरे में होकर ऐसा दोनों पंचायतो में लाभ उठाने के लिए जान जानबूझ कर किया गया है।

मतदाता सूची में दो स्थान पर नाम हो गया मामूली, समग्र आईडी में दो जगहों नाम होने के मामले हो रहे उजागर

निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची पर करोड़ो रूपए प्रति वर्ष खर्च होने के बाद भी मतदाता सूची में एक व्यक्ति का नाम दो या उससे भी अधिक जगह दर्ज हो रहे है, लोग बिना नाम कटवाए सामान्य रूप से दूसरे स्थान पर नाम दर्ज करवा लेते है और ग्राम पंचायत स्तर पर घपले बाज़ी कर बिना एक पंचायत से नाम कटवाए दूसरी पंचायत में नाम जुड़वाकर दोनो ग्राम पंचायत में समग्र आईडी में नाम जुड़वाकर दो अलग-अलग व्यक्ति होने की व्यवस्था कर शासन की योजनाओं में हेरा-फेरी कर फर्जी लाभ और नोकरी तक हथिया लेते है। शिकायतकर्ता ईश्वरलाल का आरोप है कि, सोवनी सोलंकी और सोवनी डामर दोनों एक महिला है ओर माण्डन पंचायत में मोबिलाइजर पद के लिए आवेदन करने वाली सोवनी सोलंकी उर्फ सोवनी डामर के कूटरचित दस्तावेज भी प्रमाण के तौर पर पेश कर मांग की है कि, ग्राम पंचायत के कर्मचारी द्वारा श्रीमती सोवनी को जारी समग्र आईडी तथा मतदाता सूची की जाँच करते हुए सोवनी के मोबिलाइजर पद पर हुए चयन को अवैद्य घोषित किया जाकर संदर्भित ज्ञाप में अंकित निर्देशानुसार मोबिलाइजर की नियुक्ति की जाए और शासन के साथ धोखाधड़ी करने वाले कर्मचारी के विरूद्ध कार्रवाई की जाए।

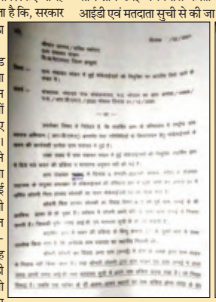

शिकायतकर्ता द्वारा ग्राम पंचायत में ली गई आपत्ति।

ग्राम पंचायत माण्डन में दर्ज समग्र आईडी में सोवनी सोलंकी का नाम।

ग्राम पंचायत उनाई में दर्ज सोवनी सोलंकी उर्फसोवनी डामर का नाम।

मुनि मायाराम संघ के आचार्य श्री सुभद्रमुनिजी 38 साधु-साध्वियों सहित श्रमण संघ में हुए शामिल

श्री सुभद्रमुनिजी एवं श्री आशीष मुनि जी श्रमणसंघ के प्रवर्तक पद से विभूषित

डॉ. शिवमुनि मा.सा.

प्रवर्तक सुभद्रमुनिजी म.सा

माही की गूंज, बामनिया। मुनिमायाराम संघ के आचार्य पूज्य श्री सुभद्रमुनिजी द्वारा उत्तर भारत स्थानकवासी जैन समाज मे एकता हेतु व श्रमणसंघ की स्थापना हेतु आचार्य पद का त्याग कर अनोखा उदाहरण प्रस्तुत किया है, अपने संघ के 38 साधु-साध्वियों सहित श्रमणसंघ में शामिल हुए। इस अवसर पर श्रमणसंघ के महामहिम ध्यानयोगी आचार्य सम्राट डॉ. शिवमुनि के मुखारविंद से श्रमणसंघ की सांगठनिक व्यवस्था को मजबूत करने हेतु उत्तर भारत मे प्रवर्तक पद स्थापना की घोषणा की, जिसमे मुनि मायाराम संघ के आचार्य पू. श्री सुभद्रमुनिजी एवं श्रमणसंघीय सलाहकार श्री सुमितप्रकाशजी मा.सा. के सुशिष्य श्री आशीषमुनिजी मा.सा. को उत्तर भारत के प्रमुख संघ के प्रवर्तक के रूप में पदस्थापना कर एक इतिहास कायम किया है।

आवेषधारी ने प्रज्वलित अग्नि सिर व हाथों में रखकर की 5 कि. मी. पद यात्रा

माही की गूंज, थादला। नगर में एक अविश्वसनीय नजारा उस वक्त देखने मे आया जब एक देव शक्ति आवेषधारी ने कई लोगों के सामने करीब 2 घंटे तक अपने सिर व हाथों में जलता हुआ खप्पर रखकर एक देव स्थान से दूसरे देवस्थान की करीब 5 किलोमीटर लंबी यात्रा तय की। उक्त चमत्कारिक घटना कक्षा देव के आवेषधारी गिरीष चंद्र धानक ने स्थानिय कलेश्वर महादेव मंदिर से करीब ढाई किलोमीटर दूर भगवान श्री नरसिंह देव मंदिर में पहुचकर वहां भगवान नरसिंह की महाआरती की गई, जिसके बाद वापस श्री कलेश्वर महादेव मंदिर लौटकर इस नौ दिवसीय धार्मिक उत्सव का समापन किया।

इस अवसर पर जब कक्षा देव के आवेषधारी सेवक यह पूछा गया की आपके द्वारा यह सब कैसे संभव होता है ? जिस पर आवेषधारी गिरीष चंद्र धानक ने कहा कि, इसमे मेरी कुछ महानता नही है, यह सब देव शक्ति की कृपा एवं उनके अनुग्रह से ही होता है। देवो की शक्ति से एवं उनके परिचय हेतु उनकी आज्ञा से ही मैंने यह अग्नि धारण और अग्नि स्नान किया है।

आज़ाद बलिदान दिवस पर स्वास्थ्य शिविर व सम्मान समारोह का होगा आयोजन

माही की गूंज, वांदला।

अमर शहीद चंद्रशेखर ÷आज़ाद÷ बलिदान दिवस पर तहसील पत्रकार संघ व आज़ाद भूमि परिवार के तत्वावधान में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। तहसील पत्रकार संघ अध्यक्ष मुकेश अहिरवार ने दो दिवसीय आयोजन की जानकारी देते हुए बताया कि, 27 फरवरी को प्रातः 9 बजे पत्रकार संघ कार्यालय परिसर स्थित ÷आज़ाद÷ प्रतिमा माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे। शाम 4 बजे नगर के प्रमुख आज़ाद चोक चौराहे पर महिला कोरोना योद्धाओ एवं समाजसेवियों का सम्मान समारोह किया जाएगा। 28 फरवरी को प्रतिवर्ष की परंपरा अनुसार निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम के संयोजक व संरक्षक कुन्दन अरोड़ा ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि, कोरोना आपदा के दौर में स्वास्थ्य, सुरक्षा व स्वच्छता के क्षेत्र में महिलाओं ने अपनी जान की परवाह न करते हुए अपनी सेवाएं दी ऐसी बहन-बेटियों का संस्थान द्वारा सम्मान किया जाएगा, वहीं तन-मन-धन व अन्न के माध्यम से पीड़ितों की सहायता करने वाले समाज सेवियों तथा संस्थानों का भी सम्मान किया जाएगा। इस सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि सांसद गुमानसिह डामर, अध्यक्षता भाजपा प्रदेश मंत्री श्रीमती संगीता विश्वास सोनी तथा विशेष अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष बंटी डामर उपस्थित रहेंगे।

28 फरवरी को प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक स्थानीय पुराना चिकित्सालय भवन पर आयोजित स्वास्थ्य शिविर में ÷काइजेन हॉस्पिटल÷ अहमदाबाद के विशेष चिकित्सको द्वारा पेट की समस्त बीमारियों की निःशुल्क जांचकर परामर्श दिया जाएगा। इस शिविर के साथ ही जिला आयुष विभाग के प्रमुख चिकित्सको द्वारा आयुर्वेदिक शिविर भी होगा, जिसमें समस्त बीमारियों के लिए आयुर्वेदिक इलाज का परामर्श भी दिया जाएगा। इस शिविर का शुभारम्भ क्षेत्रीय विधायक विरसिंह भूरिया, जिला योजना समिति के पूर्व सदस्य जितेंद्र घोड़ावत की अध्यक्षता व लायन्स क्लब के अध्यक्ष बीएल गुप्ता के विशेष आतिथ्य में किया जाएगा।

रोटरी क्लब अपना ने स्वच्छता मित्रों का किया सम्मान

माही की गूंज, मेघनगर। रोटरी स्थापना दिवस के 116 वी वर्षगांठ पर मेघनगर रोटरी क्लब अपना ने नगर परिषद स्वच्छता मित्रों का सम्मान किया। नगर परिषद मुख्य कार्यपालन अधिकारी विकास डावर का रोटरी क्लब के हर सेवा कार्य में कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग करने पर मोमेंटो देकर किया सम्मानित। इस अवसर पर रोटरी क्लब अपना के अध्यक्ष पंकज राका, सचिव राजेश भंडारी, वरिष्ठ रोटेरियन कयूम खान एवं निलेश भानपुरिया उपस्थित रहे।

यूथ कांग्रेस ने बस स्टेंड पर मुख्यमंत्री का किया पुतला दहन

माही की गूंज, मेघनगर। प्रदेश में बढ़ते महिला अपराध को लेकर यूथ कांग्रेस ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का बस स्टैंड पर पुतला दहन किया। यूथ कांग्रेस के थांदला विधानसभा उपाध्यक्ष अरुण ओहारी ने कहा कि, जैतपुर विधानसभा शहडोल में भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय त्रिपाठी और उनके 3 साथियों ने एक युवती के साथ नशे का इंजेक्शन लगाकर सामूहिक दुष्कर्म किया एसी ही घटना राजधानी में एक युवती के साथ दुष्कृत्य की होती है और राजधानी पुलिस व सरकार लाचार कार्रवाई कर मामले को दाबने में लग जाती है। भाजपा पूर्व विधायक नागर सिंह चौहान, किशोर शाह एवं बड़वानी जिलाध्यक्ष ओम सोनी द्वारा कांग्रेस की महिला विधायक कलावती भूरिया को खुलेआम मंच से जान से मारने की धमकी दी जा रही है, साथ ही बामनिया के एक महिला द्वारा उत्पीड़न शिकायत के बाद भी कार्रवाई न होना। इन तमाम घटनाओं के विरोध में युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष विक्रांत भूरिया के निर्देश एवं झाबुआ जिलाध्यक्ष विजय भाबोर के तत्वाधान में बस स्टैंड पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का पुतला दहन किया गया। इस अवसर पर मेघनगर तहसील के कांग्रेस कार्यकर्ता विधानसभा उपाध्यक्ष अरुण ओहारी, खुशाल बिलवाल, बहादुर हटिला, पूर्व पार्षद कलसिंह भूरिया, रोशन बारिया, राजा मानसिंह, अमित ललवानी, एलियास मचार, संजू, दीपक आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

तालाब में डूबने से 7 वर्षीय बच्चे की मौत

माही की गूंज, खवासा। रविवार को खवासा चौकी अंतर्गत ग्राम रतनाली का 7 वर्षीय अमुल पिता सवसिंग सिंगाड मवेशी चराने गया था कि, गांव के तालाब में मवेशी चराने के साथ ही तालाब में अंदर चला गया, इसी दौरान अचानक गहरे पानी में डूब गया और उसकी मौत हो गई।

पीपीएल: भंडारी 11 ने जीता टूर्नामेंट, तो ब्लैक पैंथर ने जीता दिल

भव्य आयोजन के लिए क्रिकेट प्रेमियों ने भी माना गौतम ग्रुप का आभार

– पीपीएल गौतम ग्रुप ट्राफी विजेता भंडारी 11।

– पीपीएल टूर्नामेंट में दूसरे स्थान पर रही ब्लैक पैंथर।

माही की गूंज, पेटलावद।

रविवार को पीपीएल गौतम ग्रुप ट्राफी का शानदार रंगारंग समापन हुआ 8 दिन तक चले टूर्नामेंट में भंडारी 11 ने फाइनल में टूर्नामेंट की सबसे मजबूत टीम बनकर उभरी, ब्लेक पैंथर को 27 रनों से हराकर फाइनल में जीत दर्ज की। इससे पहले रविवार को टूर्नामेंट के एलिमेंटरी मुकाबले 4 स्थानों पर रही टीम के साथ खेले गए, सुबह पहले-दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम के भंडारी 11 और पीएनपी स्टार के बीच मिनी मुकाबला खेला गया, जिसमे पीपीएन ने रोमांचक मैच में 3 रन से हरा दिया। पूरे टूर्नामेंट में जबरजस्त प्रदर्शन कर अपने 7 मे 6 लीग मैच जितने वाली पैंथर ने उम्मीद के मुताबिक पीएनपी स्टार को 5 विकेट से हराकर फाइनल में आसानी से प्रवेश कर लिया। तीसरे स्थान पर रहने वाली भंडारी 11 और मास्टर ब्लास्टर के बीच पहला एलीमेंटर मैच खेला गया, रोमांचक मैच में भंडारी 11 के कप्तान निर्मल पाटीदार ने मैच की अंतिम गेंद पर छक्का लगाकर 6 विकेट से मैच में जीत दर्ज की। दूसरे एलिमेंटरी मुकाबले में भंडारी 11 और पीएनपी स्टार के बीच खेला गया, जिसमें एक तरफा मुकाबले में भंडारी 11 ने 9 विकेट से जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया।

टूर्नामेंट की फेवरेट टीम नही जीत सकी फाइनल, ब्लैक पैंथर हारी लेकिन दिल जीता

टूर्नामेंट की शुरुआत से ब्लैक पैंथर को सबसे कमजोर टीम माना जा रहा था लेकिन अपने शानदार प्रदर्शन से सबको चौकाने वाली ब्लैक पैंथर आखरी में सबकी फेवरेट बनकर उभरी चोकर्स के तमगे के साथ फाइनल खेलने उतरी ब्लैक पैंथर एक तरफा मुकाबले में हार गई। फाइनल में भंडारी 11 ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शुभ चौहान के 42 रनों की मदत से 107 रन बनाए और 108 रन का पीछा करने उतरी पैंथर 80 रन ही बना सकी। मैच खत्म होते ही भंडारी 11 के खिलाड़ी, मेंटर और समर्थक जश्न में डूब गए, हार के बाद निराश पैंथर ने टूर्नामेंट तो नही जीता लेकिन अपने प्रदर्शन से दर्शकों को दिल जीत लिया। फाइनल में 42 रनों की पारी खेलने वाले शुभ चौहान को मैन ऑफ दी मैच चुना गया।

फाइनल से पहले गौतम ग्रुप के संचालक और पीपीएल के आयोजक गौतम गेहलोत को हुआ स्वागत, भावुक हुए गौतम

नगर में अपनी सेवाओं और जरूरतमंदों की हमेशा मदद करने वाले गौतम गेहलोत जिनके द्वारा भव्य पीपीएल टूर्नामेंट का आयोजिन किया गया उनका भव्य स्वागत किया गया। बीच मैदान में ढोल-ताशो के बीच साफा बांध कर सम्मान किया और उनके प्रशंसकों ने उनको कंधे पर बिठाकर पूरे ग्राउंड में घुमाया और पूरे मैदान में क्रिकेट का मजा ले रही जनता का अभिवादन किया। मैदान से बाहर मंच के पास पहुँचकर जनता के अपार समर्थन से गौतम गेहलोत भावुक होकर अपने परेशानी के दिनों ओर उस समय सहयोग करने वाले साथियों को यादकर भावुक हो गए।

विजेता, उपविजेता सहित व्यक्तिगत प्रर्दशन करने वाले हुए पुरस्कृत

पीपीएल की विजेता टीम को पीपीएल ट्राफी के साथ 51 हजार रुपए का पुरस्कार पूर्व विधायक निर्मला भूरिया की ओर से, उपविजेता को 31 हजार रुपए के साथ पीपीएल ट्राफी गौतम ग्रुप की ओर से, तीसरे स्थान रही पीएनपी स्टार को 21 हजार रुपए और पीपीएल ट्राफी पत्रकार संघ पेटलावद की से, चौथे स्थान पर रही मास्टर ब्लास्टर को 11 हजार रुपए ओर पीपीएल ट्राफी स्टार इलेवन पेटलावद की और से दिए गए। टूर्नामेंट में व्यक्तिगत प्रर्दशन के लिए टूर्नामेंट में सबसे अच्छा प्रर्दशन करने वाले ब्लैक पैंथर टीम के अरुण गामड़ को मेन ऑफ दी सीरीज ट्राफी और 5 हजार 100 रुपए, फाइनल में मेन ऑफ दी मैच भंडारी 11 के शुभ चौहान को ट्राफी, सील्ड ओर 3 हजार 100 रुपए, टूर्नामेंट में शानदार बल्लेबाजी ओर एक मात्र शतक बनाने वाले मास्टर ब्लास्टर के बल्लेबाज सचिन पीपाड़ा को टूर्नामेंट का बेस्ट बल्लेबाज ट्राफी और 2 हजार 100 रुपए, टूर्नामेंट में शानदार गेंदबाजी करने वाले ब्लैक पैंथर के उल्टे हाथ के गेंदबाज जगदीश पाटीदार को बेस्ट गेंदबाज ट्राफी और 2 हजार 100 रुपए, टूर्नामेंट के बेस्ट फील्डर ब्लैक पैंथर के विक्रम ट्राफी और 1 हजार 500 रुपए, बेस्ट कैच के लिए भंडारी 11 के शेलेन्द्र परिहार को ट्राफी और 1 हजार 500 रुपए, टूर्नामेंट में सर्वाधिक चौके लगाने वाले भंडारी 11 के गौरव भटेवरा को ट्राफी और 1 हजार 500 रुपए और सर्वाधिक छक्के लगाने वाले फाइटर 11 के रोहित को ट्राफी और 1 हजार 500 रुपए का पुरुस्कार दिया गया।

ये अतिथि रहे उपस्थित

पीपीएल के समापन कार्यक्रम में अजजा मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष कलसिंह भाभर, पूर्व विधायक एवं मंत्री निर्मला भूरिया, भाजपा जिलाध्यक्ष, नगर पालिका अध्यक्ष मनोहरलाल भटेवरा, थांदला मण्डल अध्यक्ष गोलू उपाध्याय, गौतम ग्रुप के संचालक गौतम गेहलोत, पेटलावद ग्रामीण मण्डल अध्यक्ष सुखराम मोरी, रायपुरिया मण्डल के शातिलाल मुनिया, पेटलावद मण्डल अध्यक्ष, जिला उपाध्यक्ष हेमन्त भट्ट, सांसद प्रतिनिधि राजेश कासवा, जनपत उपाध्यक्ष गोपाल सिंह राठौर, युवा नेता सौनु विश्वकर्मा, भाजपा नेता बलदेव सिंह राठौर, मण्डल महामंत्री संजय कहार, भाजपा मंडल और जिले के कई पदाधिकारी सहित नगर परिषद के पार्षदगण और पेटलावद पत्रकार संघ के अध्यक्ष मोहन पडियार सहित समस्त पत्रकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन यश रामावत ने किया और आभार गौतम गेहलोत ने माना।

इनका रहा विशेष सहयोग

8 दिन तक आयोजित पीपीएल टूर्नामेंट में गौतम ग्रुप के गौतम गेहलोत, इलेवन स्टार के कप्तान और आयोजक योगेश गामड़, लोकू परिहार ओर उनकी टीम, अंपायर की भूमिका में सुदेश कुमरावत, सचिन गामड़, कॉमन्ट्रेटर डॉक्टर चंचल रतलाम, यश रामावत, भरत चोधरी, अनिल चोधरी, अविनाश उपाध्याय और मंच सेवा संतोष और उनकी टीम सहित कई साथियो का विशेष सहयोग रहा।

संपादकीय

कोरोना अभी गया नहीं, नए मामले सामने आने पर सावधानी में ही है सुरक्षा

कोरोना वायरस का संक्रमण बीते 5-6 दिनों से लगातार बढ़ रहा है। ऐसा नहीं है कि यह कोरोना की नई नस्लों के कारण हो रहा है, लेकिन संक्रमण का राष्ट्रीय औसत बढ़ा है। रोजाना संक्रमित मामलों का जो औसत 11,430 था, वह बढ़कर 11,825 हो गया है। करीब 139 करोड़ की आबादी के देश में मरीजों की यह बढ़ती संख्या डरावनी नहीं मानी जा सकती, लेकिन संक्रमण का रुझान खंडित हुआ है। भारत के 15-18 राज्यों में कोरोना संक्रमण का फैलाव नगण्य हो गया था। अलबत्ता केरल, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और तेलंगाना आदि राज्यों में संक्रमित मरीजों के आंकड़े औसतन बढ़ ही रहे थे। महाराष्ट्र में 5427 संक्रमित मामले सामने आए। बीते 78 दिनों में यह रुझान पहली बार देखा गया है। बीते सात दिनों में महाराष्ट्र में करीब 47 फीसदी मामले बढ़े हैं, जबकि केरल में 13 फीसदी कम हुए हैं। पंजाब और मध्यप्रदेश में क्रमश: 20 फीसदी और 25 फीसदी संक्रमित मरीज बढ़े हैं। यही कारण है कि महाराष्ट्र सरकार को यवतमाल जिले में 10 दिन और अमरावती में शनिवार रात्रि 8 बजे से सोमवार सुबह 7 बजे तक के लॉकडाउन लगाने पड़े हैं।

कुछ और जिलों में लॉकडाउन जैसी पाबंदियों पर विचार किया जा रहा है। सवाल है कि क्या कोरोना दोबारा पलट कर फैलने लगा है? अथवा सार्वजनिक स्तर पर लापरवाही और ढिलाई का नतीजा है? ध्यान रहे कि नवंबर-दिसंबर में विकित्सकों और वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी थी कि कोरोना वायरस का कहर अभी शेष है। चूंकि दूसरे देशों में कोरोना और उसकी नई नस्लों ने संक्रमण को बढ़ाया है, लिहाजा भारत भी प्रभावित हो सकता है, बेशक वायरस की नई नस्लें हमारे देश में प्रभावहीन हों! चूंकि भारत में कोरोना के संक्रमित आंकड़े तेजी से घट रहे थे, हमने रोजाना 98,000 से अधिक संक्रमित मरीजों का दौर भी देखा था और अब सिमट कर आंकड़े 13,000 के करीब तक आ गए हैं, कई बार तो मरीजों की संख्या 10,000 से कम भी दर्ज की गई है, लिहाजा आम धारणा बनने लगी कि कोरोना वायरस का अंत तय हो चुका है। लोगों ने कोरोना संक्रमण और लॉकडाउन के जो यंत्रणामय मंजर देखे थे, वे उससे निजात पाकर और मुक्त महसूस कर एक सामान्य जिंदगी जीना चाहते थे, लेकिन अब कोरोना का सच साक्षात् सामने है। लोगों ने चेहरे पर मास्क पहनना कम कर दिया था या सरकारों ने भी दंडित करने का सिलसिला रोक दिया था। बाजार खुल गए।

यातायात सामान्य होने लगा। हजारों की संख्या वाली राजनीतिक और अन्य जनसभाएं जुटने लगीं। अब तो सिनेमा हॉल भी 100 फीसदी क्षमता के साथ खोलने की अनुमति दे दी गई है। दो गज की दूरी बेमानी हो गई। देश का विभिन्न स्तरों पर अनलॉक होना जरूरी भी था, क्योंकि अर्थव्यवस्था की विकास दर ऋणात्मक 24 फीसदी तक डूब चुकी थी। अब भी यह दर ऋणात्मक ही है। हमें आर्थिक और औद्योगिक उत्पादन के तौर पर उबरने और सकारात्मक अर्थव्यवस्था होने में अब भी लंबा वक्त लगेगा। नतीजा सामने है, लेकिन व्यापक और दहशतनुमा नहीं है। डॉक्टर अब भी चेता रहे हैं कि कोरोना वायरस का संक्रमण पलट कर प्रहार कर सकता है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली भी चपेट में आ सकती है। हालांकि संक्रमण के मामले 100-130 रोजाना तक सिमट गए हैं, फिर भी सब कुछ अनिश्चित है। अब तो टीकाकरण कराने वालों की संख्या एक करोड़ को छूने लगी है। फिलहाल हमारे पास दो कंपनियों के ही टीके हैं, जिनकी संख्या आने वाले 3-4 माह के दौरान काफी बढ़ जाएगी। अब तो इलाज भी उपलब्ध है। कभी इलाज कराने वाले मरीजों की संख्या 10 लाख से भी ज्यादा होती थी। अब तो सिर्फ 1.5 लाख मरीजों से भी कम की संख्या है। यह संक्रमण का 1.25 फीसदी है। कोरोना से मरने वालों की दर भी मात्र 1.42 फीसदी है, जबकि स्वस्थ होकर घर लौटने वालों का राष्ट्रीय औसत 97.32 फीसदी है। हालात खराब नहीं हैं और संक्रमण का निरंकुश विस्तार भी नहीं हो रहा है। फिर भी कोरोना को लेकर रेड अलर्ट वाला एहसास रहना चाहिए।

काश! स्मार्ट इंटेलीजेंस से रोके जाते सड़क हादसे

ऋतुपर्ण दवे

जहाँ फिर एक बस दुर्घटना ने समूचे विन्ध्य सहित पूरे देश को जबरदस्त झकझोर दिया। वहीं विन्ध्य अंचल को तीसरी बार बहुत बड़ा बस हादसा देखने को मजबूर कर दिया। 16 फरवरी की अल सुबह सवारियों से भरी तेज रफ्तार बस द्वारा नहर पर ही ट्रक को ओवरटेक करने की जल्दी में जरा सा संतुलन बिगड़ और देखते ही देखते चन्द सेकेण्डों में पूरी बस बाणसागर नहर की 22 फिट गहराई में जा समाई. सीधी-सतना मार्ग पर पहले भी दो बहुत बड़े बस हादसे हो चुके हैं। पहला हादसा मई 1986 में गोविन्दगढ़-सीधी छुहिया घाटी में हुआ जो डाक बस के नाम से आज भी जाना जाता है। इसमें बस अनियंत्रित होकर घाट से नीचे जा गिरी और 53 लोग जान से हाथ धो बैठे। तीसरा हादसा सितंबर 1986 में रामपुर बघेलान के पास हुआ जिसमें स्टेशन जा रही यात्री बस सामने से आ रहे ट्रेलर के एकाएक मुड़ने से उसमें जा समाई और बस की छत के परखच्चे उड़ गए और बहुत दर्दनाक तरीके से सवार 45 लोगों के सर, धड़ से अलग हो गए। चौथा बड़ा हादसा 1988 में लिलजी बांध में बस गिरने से हुआ था जिसमें 91 लोगों की जान गई थी, वहीं पाँचवां हादसा 19 अक्टूबर र 2006 को हुआ जो गोविंदगढ़ के रघुराज सागर तालाब में बस के घुस जाने से हुआ और 68 लोगों की जान चली गई। जबकि दिसंबर 2019 में रीवा से आ रही बस गुढ़ बाइपास में एक खड़े ट्रक मे जा घुसी जिसमें 9 लोगों की जान चली गई। वहीं इसी साल 7 जनवरी को छुहिया घाटी में सीमेंट फैक्ट्री की बस के ऊपर गर्म क्लिंकर से लोड ट्रेलर पलटने से मौके पर 3 जिन्दगियाँ खत्म हो गई। काश यह यहाँ बस यात्रियों को जल समाधि देने वाला आखिरी हादसा हो ! दुस्साहस देखिए कि बस तय रूट पर नहीं थी। रूट पर 5 दिनों से था। उससे भी बड़ी सच्चाई कि छुहिया घाटी रूट पर हालात इतने बद से बदतर हैं कि महीने में 15 दिन जाम तय है। कारण पहाड़ी और घुमावदार रास्ता, बीच-बीच में खराब वाहन। सड़कों के विकास, सुधार और निर्माण पर भरपूर ध्यान देने के तमाम दावों के बीच इस सड़क की हकीकत ने बड़ी वीभत्सता के साथ सच को आईना दिखाते हुए सभी का ध्यान खींचा है।

यह भी सच है और तस्दीक विश्व बैंक की एक रिपोर्ट भी करती है कि दुनिया में हर वर्ष सड़क दुर्घटनाओं में सबसे ज्यादा मौतें भारत में ही होती हैं। देश में प्रतिवर्ष 4.5 लाख सड़क दुर्घटनाओं में 1.5 लाख लोगों की मौत हो जाती है। बहुतेरे दिव्यांग हो जाते हैं। इसके अलावा देश के सकल घरेलू उत्पाद के 3.14 प्रतिशत हिस्से का नुकसान हो जाता है। एक सच और भी है। भारत में दुनिया के महज एक फीसदी वाहन ही हैं वहीं सड़कों पर वाहनों से होने वाली दुर्घटनाओं का आंकड़ा 11 प्रतिशत है। केन्द्रीय परिवहन मंत्री भी खुद मानते हैं कि इन दुर्घटनाओं से समाज और राष्ट्र पर जबरदस्त बोझ पड़ता है और देश को प्रति व्यक्ति मौत पर करीब 91.16 लाख रुपयों का नुकसान होता है। विश्व सड़क सांख्यिकी-2018 के अनुसार, विश्व के 199 देशों में सड़क दुर्घटना से होने वाली मौतों की संख्या में भारत पहले स्थान पर था। इनको यदि आंकड़ों के लिहाज से देखें तो वर्ष 2018 में पूरे देश में 4,67,044 सड़क दुर्घटनाएं हुईं जबकि इसी वर्ष की सड़क सुरक्षा पर वैश्विक स्थिति को देखें तो 23 सेकंड में एक व्यक्ति की सड़क दुर्घटना में मृत्यु होती है।

विडंबना देखिए गत वर्ष ही मोटर वाहन अधिनियम में संशोधन कर कठोर प्रावधानों को लागू किया गया ताकि सड़क दुर्घटनाओं को कम किया जा सके। वाहनों की सुरक्षा के लिए भी कई नए इंजीनियरिंग मानक लागू किये लेकिन देखिए बस न केवल धड़ले से मनमानी रूट पर दौड़ रही हैं वहीं क्षमता से अधिक सवारी पर कोई रोक भी नहीं है! काश सीधी बस दुर्घटना में सवारी क्षमता के अनुरूप होती तो भी मौतों का आंकड़ा कम होता। हां, इतना तो समझ आता है कि भारत में कानून ज्यादा हैं उसका पालन कम। अब इसे किसकी ढिलाई कहेंगे, राज्य-केन्द्र या दोनों की?

आंकड़े बताते हैं कि 76 प्रतिशत दुर्घटनाएं तेज रफ्तार, ओवरटेक और गलत साइड पर गाड़ी चलाने से होती हैं। यह यातायात नियमों का उलंघन नहीं तो और क्या है? बाणसागर नहर हादसा भी इसी का नतीजा है। वाहन और सारथी नामक दो ऐप लाकर सरकार ने लाइसेंसिंग और रजिस्ट्रेशन पर शिकंजा कस भ्रष्टाचार कम करने की कोशिश तो की है, लेकिन सबको पता है कि बिना दलालों के पास गए देश में लाइसेंस बनवाना व रिनीव कराना कितना आसान है? इसी तरह सड़क पर दौड़ रहे सार्वजनिक वाहनों पर निगरानी के लिए कोई विश्वनीय व्यवस्था भी नहीं है। इण्टेलीजेण्ट ट्रेफिक मैनेजमेण्ट सिस्टम यानी आईटीएमएस को ही चकमा देने जैसी कई सच्चाइयां भी सामने आई हैं। खुद हमारा परिवार भी सतना यातायात का पीड़ित है। 26 दिसंबर 2020 का ई-चालान रूपी फरमान पहुँचा जिसमें हमारी बाइक का नंबर का उपयोग कर धड़ले से तीन सवारी बैठा घूम रहा है। उस फर्जी नंबर प्लेट वाले के बजाए ढूढ़ने के फोटो वाला समन शुल्क ई-चालान भेज जुर्माना भरने का हुक्म हुआ। हैरानी होती है कि चालान कागज में किसी और कंपनी की बाइक दिख रही है और वास्तविक वाहन किसी और कंपनी का है। उसमें फर्जी वाहन में हाई सिक्यूरिटी नंबर प्लेट और एलॉय व्हील हैं। कर्तव्यों में इतिश्री करने वाले पते पर वापसी डाक से ही हकीकत को रू-ब-रू कराया गया, लेकिन पूरे मामले पर अभी तक चुप्पी साधी हुई है। यकीनन यह सब गंभीर और चिन्तनीय है। अब इसे यह कहें क्योंकि यहीं तो आटोफीसियल इण्टेलीजेन्स को ही धोखा दिया गया जो बेहद चिन्तनीय है।

जाहिर है तंत्र और यंत्र दोनों की ही नाकामियाबी सामने है। लगता है कि कानून में सख्ती के बावजूद सिस्टम का लचर हो जाना ही बड़ा कारण है जिससे न तो सड़क दुर्घटनाएं ही कम रही हैं और न मौतों का आंकड़ा थम रहा है। इसके अलावा बीच शहर धड़ले से फर्जीवाड़ा कर आर्टीफीसियल इण्टेलीजेंस को ही चुनौती देना बहुत बड़ा अपराध है। बाणसागर बस दुर्घटना भी तंत्र की लापरवाही और मिलीभगत का नतीजा है। वरना बस बदले रूट पर वह भी 32 यात्रियों की क्षमता से अधिक करीब 60 सवारियों को ठूसकर मानव अधिकारों का उलंघन करते हुए कैसे फर्राटे भरती? सख्त कानूनों के बावजूद सीख लेते हुए ऐसा दोबारा नहीं हो इसकी क्या गारंटी?

खराब और गढ्ढों से भरी घुमावदार सड़कें, ऊपर से रसूखदारों के दरवाजों बने मनमाने स्पीड ब्रेकर बनाम ब्रोकर, सड़कों पर पड़े पत्थर-बोल्डर से निजात मिलना बेमानी सा लगने लगा है। जबकि हकीकत यह है कि भारत में सड़कों पर ईंधनयुक्त वाहनों का उपयोग करने वालों को तीन तरह के टैक्स भरपूर चुकाने पड़ते हैं। पहला तो रोड टैक्स, दूसरा रोड सेस जो प्रत्येक प्रति लीटर पेट्रोल-डीजल पर 10 रुपए से भी ज्यादा है साथ ही एक्साइज ड्यूटी और वैट भी। तीसरा टैक्स टोल टैक्स के रूप में फर्राटेदार सड़कों के नाम पर रॅडियो फ्रिक्वेंसी युक्त शानादार व्यवस्था फास्टटैग से 16 फरवरी से ही जरूरी हो गया है वरना भारी जुर्माना। यानी भारत में वाहन चलाने के लिए तेल की वास्तविक कीमत जो करीब 35-36 रुपए होती है पर लगभग ढ़ाई से पौने तीना गुना अधिक वसूला जाता है। बावजूद इसके सड़कें टैक्स के मुकाबले फीकी और बदतर ही नजर आती हैं। काश सीधी के छुहिया घाटी सड़क से वसूले जाने टैक्स को ही मरम्मत या सुधार पर लगा दिया जाता!

इसी तरह कयासों से ऊपर परिवहन तंत्र लाखों रुपए कीमत की साधारण व लग्जरी बसों में जीपीएस और सीसीटीवी कैमरों को जरूरी कर क्षेत्रवार या राज्यवार निगरानी तंत्र विकसित करता जो इजराइल की तरह कैमरे की नजर से वीडियो कंटेट ऐनालिसिस के विकसित सिस्टम से लैस हो जिसमें वो तस्वीरें खुद-ब-खुद स्क्रीन पर डिस्प्ले होने लगें जिन्हें पहचानने की कमाण्ड उन्नत कंप्यूटरों में फीड हो। इससे तेज रफ्तार और गलत तरीके से चलता, भिड़ता या भागता ऑब्जेक्ट यानी वाहन, सड़क पार करने में हुई हड़बड़ी या गड़बड़ी, यहां तक कि अगर कहीं आग लग जाए या दुर्घटना हो जाए तो सीधी तस्वीरें खुद कंट्रोल सेन्टर में अपने आप डिस्प्ले होने लग जाएं और फौरन पता चल जाए कहाँ क्या हो रहा है। काश भारत में सड़क दुर्घटनाओं में मौतों के आँकड़ों को कम करने के लिए ऐसे तकनीक व सुरक्षा तंत्रों को भी विकसित किया जाता जो अब मुश्किल नहीं है ताकि कह सकें हमारी सड़कें व सड़कों पर चलने वाले महफूज रहेंगे।

कोरोनाः भारत बना विश्व-त्राता

डॉ. वेद प्रताप वैदिक

कुछ दिन पहले जब मैंने लिखा था कि कोरोना का टीका भारत को विश्व की महाशक्ति के रूप में उभार रहा है तो कुछ प्रबुद्ध पाठकों ने मुझे कहा था कि आप मोदी सरकार को जबर्दस्ती इसका श्रेय दे रहे हैं। इसका श्रेय आप जिसे चाहें दें या न दें, जो बात मैंने लिखी थी, उसपर विश्व स्वास्थ्य संगठन के महासचिव एंतोनियो गुतरेस ने मोहर लगा दी है।

गुतरेस ने कहा है कि कोरोना के युद्ध में भारत ने विश्व का नेतृत्व किया है। वह विश्व-त्राता बन गया है। जैसा कि मैं दशकों से लिखता रहा हूं कि भारत को हमें भयंकर महाशक्ति नहीं, प्रियंकर महाशक्ति बनाना है, उसका अब शुभारंभ हो गया है। भारत ने दुनिया के लगभग 150 देशों को कोरोना को टीके, जांच किट, पीपीई और वेंटिलेटर उपलब्ध करवाए हैं। इन देशों से भारत ने इन चीजों के पैसे या तो नाममात्र के लिए हैं या बिल्कुल नहीं लिए हैं। संयुकराष्ट्र संघ की शांति सेना को दो लाख टीके भारत ने भेंट किए हैं।

अभीतक भारत लगभग ढाई करोड़ टीके कई देशों को भेज चुका है। उन देशों के राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों ने भारत का बहुत आभार माना है। इसका श्रेय भारत के वैज्ञानिकों, दवा-उत्पादकों और स्वास्थ्य मंत्रालय को अपने आप मिल रहा है। यदि भारत सरकार इस संकट में आयुर्वेदिक काढ़े को भी सारे विश्व में फैला देती तो भारत को अरबों रु. की आमदनी तो होती ही, भारत की महान और प्राचीन चिकित्सा-पद्धति सारे विश्व में लोकप्रिय हो जाती।

कोरोना युद्ध में भारत की विजय सारी दुनिया में बेजोड़ हैं। अमेरिका-जैसे शक्तिशाली और साधन-संपन्न देश में 5 लाख से ज्यादा लाख लोग मर चुके हैं। जो देश भारत के प्रांतों से भी छोटे हैं, उनमें हताहत होनेवालों की संख्या देखकर हमें हतप्रभ रह जाना पड़ता है। ऐसा क्यों है? इसका कारण भारत की जीवन-पद्धति, खानपान और चिकित्सा-पद्धति है। दुनिया के सबसे ज्यादा शाकाहारी भारत में रहते हैं। जो मांसाहार करते हैं, वे भी इन दिनों शाकाहारी हो गए हैं। हमारे भोजन में रोजाना इस्तेमाल होनेवाले मसाले हमारी प्रतिरोध-शक्ति को बढ़ाते हैं। हमारी नमस्ते लोगों में शारीरिक दूरी अपने आप बना देती है। मेरे आग्रह पर आयुष मंत्रालय ने काढ़े की कोरोड़ों पुड़िया बंटवाईं। इन सबका सुपरिणाम है कि भारत की गरीबी, गंदगी और भीड़-भाड़ के बावजूद आज भारत कोरोना को मात देने में सारे देशों में सबसे अग्रणी है। यदि भारत सरकार थोड़ी ढील दे दे और गैर-सरकारी स्तर पर भी टीकाकरण की शुरुआत करवा दे तो कुछ ही दिनों में 50-60 करोड़ लोग टीका लगवा लेंगे।

महामारी के बाद महंगाई की मार से होगी देश की जनता परेशान!

डॉ. भरत मिश्र प्राची

गत वर्ष देश की आम जनता कोरोना महामारी की मार से त्रस्त रही तो इस वर्ष महंगाई की मार से त्रश्त होने वाली है। इस तरह की परिस्थिति में महंगाई की मार से आमजन को राहत दिलाने के वजाय देश के जननेता बेतुकी विवाद में उलझते नजर आ रहे है। देश में बढ़ती जा रही पेटोउल, डीजल एवं घरेलू गैस की कीमत में होती जा रही वृद्धि को सत्ता पक्ष के नेता उससे आमजन को राहत दिलाने के वजाय यह दलील देते हुये अपना बचाव करते नजर आ रहे कि आमदनी भी तो बढ़ी है। उन्हें यह नहीं मालूम कि आज के परिवेश में जहां बेरोजगारी दिन पर दिन बढ़ती जा रही है, कितने लोगों की आमदनी बढ़ी है। जब कि आज की आम जनता कोरोना काल से ही बेरोजगारी से जूझ रही है। ऐसे समय में जहां कोरोना जैसे भयंकर महामारी अभी तक पूर्णरूपेण गई नहीं, आने वाली महंगाई को सह पाना निश्चित ही कठीन है। सरकार अपना वितीय कोष को बढ़ाने के लिये पेटोउल, डीजल पर टैक्स बढ़ा रही जिससे बाजार में महंगाई का बढ़ना स्वाभाविक है। पर इस संदर्भ में वितीय कोष कम करने की दिशा में कोई भी सकरात्मक कदम नहीं उठा रही जिससे महंगाई से जुड़े संसाधनों पर अतिभार न पड़े। इस दिशा में सरकार की ओर से दलील दी जा रही है कि पेटोउल एवं डीजल की कीमत तो पहले भी बढ़ती रही है। इस तरह का प्रतिउत्तर सत्ता पक्ष की ओर से दिया जाना आमजन के प्रति उत्तरदायित्वहिन दर्शाता है।

देश से अभी कोरोना महामारी का संकट दूर नहीं हुआ है तथा आमजन को रोजगार देने में वर्तमान सरकार लॉली पॉप दिखाकर भरमा रही है। नये कृषि नियम के माध्यम से बाजार मंडी को समाप्त कर कृषि व्यापार में जो एकाधिकार स्थापित करने का जो प्रयास है उससे महंगाई और बढ़ने के आसार बन रहे है। वर्तमान सरकार के सामने कोरोना महामारी से आमजन को पूर्णरूपेण मुक्ति दिलाकर फिलहाल महंगाई के आने वाले दौर से बचाने का दायित्व उसके कंधो पर है। केवल आमजन को सब्सीडी का सब्जबाग दिखाकर एवं महंगाई बढ़ने वाले संसाधन पर टैक्स लगाने से महंगाई से आमजन को राहत नहीं दिलाई जा सकती। आज देश में विपक्ष कमजोर अवश्य है पर बढ़ती महगाई सरकार के लिये संकट अवश्य पैदा कर सकती। इस तरह के उभरते परिवेश में वर्तमान सरकार द्वारा सरकारी सम्पतियों की रक्षा करने के वजाय उसे निजी हाथों में दिये जाने के कदम से बेराजगारी एवं महंगाई को बढ़ने का अवसर मिलना सुनिश्चित है। नये कृषि नीति से नराज किसान सरकार के लिये संकट बनकर उभर सकते है। एक समय सरकार द्वारा देश में किसानों को विशेष राहत देने के लिये डीजल के दाम में वृद्धि नहीं की जाती। पेटोउल एवं डीजल के दाम में काफी अन्तर होता आज दोनों के भाव एक जैसे ही नहीं आसमान को छू रहे है। सभी को मालूम है कि डीजल मुख्य रूप से कृषि एवं सामानों के आवागमन संसाधनों से जुड़ा हुआ है जो सीधे तौर पर महंगाई बढ़ाने में सहायक है। निश्चित तौर पर सरकार के ये कदम महंगाई को बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो सकते है जो महामारी से भी खतरनाक साबित हो सकते।

पश्चिम बंगालः ममता की राह आसान नहीं

(लेखक -सुरेश हिंदुस्तानी)

कभी वामपंथी राजनीति का मजबूत गढ़ रहे पश्चिम बंगाल राज्य में गहरे तक पांव जमाए ममता बनर्जी के राजनीतिक अस्तित्व की परतें उधड़ने लगी हैं। वैसे तो पिछले लोकसभा चुनाव के परिणामों ने ममता बनर्जी की छत्रछाया में पनप रही तृणमूल कांग्रेस के धरातलीय आधार को यह स्पष्ट संकेत दे दिया था कि तृणमूल कांग्रेस का विजयी रथ पर कुछ हद तक लगाम लग चुकी है। बंगाल में शून्य से शिखर पर जाने का जी तोड़ प्रयास करने वाली भारतीय जनता पार्टी ने ममता के किले को उस स्थान से खिसकाने का प्रयास किया है, जो पिछले 15 वर्षों से बंगाल की राजनीति में ममता ने बनाया था। हालांकि प्रारंभ में ममता बनर्जी भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का हिस्सा रहीं, जिसके कारण पश्चिम बंगाल में वामपंथियों के शासन को जड़ से उखाड़ फैंका और ममता बनर्जी के सिर पर सत्ता का ताज स्थापित हो गया। इसके बाद ममता बनर्जी ने जिस प्रकार की राजनीति की, उसके चलते भाजपा और तृणमूल कांग्रेस एक दूसरे के राजनीतिक दुश्मन बनकर सामने आ गए। जिसकी परिणति स्वरूप आज दोनों दल एक दूसरे को पटखनी देने के दांवपेच खेल रहे हैं।

पश्चिम बंगाल में लोकसभा के चुनाव के बाद ही भाजपा की बढ़ती ताकत का अहसास हो गया था, वहीं ममता बनर्जी की तानाशाही प्रवृति का शिकार बनी तृणमूल कांग्रेस डूबता जहाज बनने की ओर अग्रसर होती दिखाई दे रही है। हालांकि यह कितना सही साबित होगा, यह अभी भविष्य के गर्भ में है, लेकिन तृणमूल कांग्रेस के दिग्गज नेता आज ममता बनर्जी से किनारा करने की प्रतीक्षा की ताक में हैं। अभी हाल ही में ममता बनर्जी के खास माने जाने वाले और तृणमूल कांग्रेस को राजनीतिक अस्तित्व में लाने वाले दिग्गज नेता दिनेश त्रिवेदी ने तृणमूल कांग्रेस से छलांग लगाने के बाद जो वक्तव्य दिया है, वह निश्चित ही इस बात का संकेत करने के काफी है कि अब ममता बनर्जी की आगे की राजनीतिक राह आसान नहीं है। वैसे तृणमूल कांग्रेस की आंतरिक राजनीति का अध्ययन किया जाए तो यही परिलक्षित होता है कि इसके लिए स्वयं ममता बनर्जी ही जिम्मेदार हैं। तृणमूल कांग्रेस में अपने पारिवारिक सदस्यों को महत्व देने के बाद पार्टी को सत्ता के सिंहासन पर पहुंचाने वाले वरिष्ठ नेता नाराज दिखाई दे रहे हैं। कुछ नेता खुलकर बोलने लगे हैं तो कुछ अभी समय की प्रतीक्षा कर रहे होंगे। सवाल यह आता है कि जब इतने बड़े नेता तृणमूल कांग्रेस में अपमानित महसूस कर रहे हैं, तब छोटे कार्यकर्ताओं की क्या स्थिति होगी, इस बात का अनुमान लगाया जा सकता है।

पश्चिम बंगाल की वर्तमान राजनीति का अध्ययन किया जाए तो यह स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि तृणमूल कांग्रेस की सर्वेसर्वा ममता बनर्जी भविष्य की राजनीति को लेकर भयभीत हैं। यह भय सत्ता चले जाने का है। इसके बाद भी ममता बनर्जी पूरी ताकत से साथ अपनी पार्टी की नाव को एक बार फिर से पार करने का साहस दिखाया रही हैं। इसे साहस कहा जाए या ममता बनर्जी की बौखलाहट, क्योंकि ममता बनर्जी वर्तमान में अपनी पार्टी की नीतियों को कम भारतीय जनता पार्टी को कोसने में ज्यादा समय व्यतीत कर रही हैं। ऐसा लगता है कि वह अपने ही देश की सरकार के प्रति पूर्वाग्रह से ग्रसित हो चुकी हैं। इसलिए आज उन्हें भगवान श्रीराम के नाम से चिढ़ हो रही है। जबकि यह सभी जानते हैं कि भारत में भगवान राम का अस्तित्व तब से है, जब न तो भाजपा थी और न ही ममता बनर्जी। इतना ही नहीं आज के राजनीतिक दल भी नहीं थे। इसलिए ममता बनर्जी ने इस नारे को भाजपा से जोड़कर देखने का जो भ्रम पाल रखा है, वह नितांत उनकी संकुचित सोच या एक वर्ग विशेष के प्रति नरम रवैए को ही प्रदर्शित करता है। ममता बनर्जी ऐसा क्यों कर रही हैं, ये तो वही जानें, लेकिन भाजपा ने वही किया है जो उनके घोषणा पत्र में है और इसी घोषणा पत्र पर भाजपा को लोकतांत्रिक रूप से व्यापक समर्थन भी मिला है। यहां यह कहना तर्क संगत ही होगा कि भारत की जनता ने भाजपा की नीतियों से प्रभावित होकर ही समर्थन दिया है। इसलिए ममता बनर्जी के कदम को अलोकतांत्रिक कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी।

वर्तमान में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस के समक्ष अपना प्रदर्शन दोहराने की बड़ी चुनौती है। यह चुनौती किसी किसी और ने नहीं, बल्कि उनके करीबियों ने ही पैदा की है। प्रायः सुनने में आता है कि तृणमूल कांग्रेस का कोई भी नेता अपने विरोधी राजनीतिक दल के नेता को सहन करने की मानसिक स्थिति में नहीं है। सवाल यह आता है इस प्रकार की मानसिकता का निर्माण किसने किया? स्वाभाविक ही है कि वरिष्ठ नेतृत्व के संरक्षण के बिना संभव ही नहीं है। इसी कारण बंगाल में लगातार होती राजनीतिक हिंसा में सीधे सीधे तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को आरोपी समझ लिया जाता है। ऐसे घटनाकर्मों को देखकर जो व्यक्ति सात्विक और देश हितैषी राजनीति करने को ही असली रास्ता मानते हैं, वे तृणमूल कांग्रेस से दूरी बनाने की मानसिकता में आते जा रहे हैं। अभी तक कई दिग्गज राजनेता तृणमूल से दामन छुड़ा चुके हैं। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के कथनों पर भरोसा किया जाए तो यह संख्या और बढ़ने वाली है। अमित शाह ने दावा किया है कि ममता दीदी का यही व्यवहार रहा तो बंगाल के विधानसभा चुनावों के समय तक अकेली खड़ी रह जाएंगी। अमित शाह द्वारा यह कहना कहीं न कहीं यही संकेत कर रहा है कि भाजपा अपेक्षित सफलता के प्रति आशान्वित है।

पश्चिम बंगाल के बारे में कहा जाता है कि राज्य की सबसे बड़ी संख्या बंगलादेश घुसपैठ की है। जहां राजनीतिक संरक्षण के चलते यह घुसपैठिए असामाजिक गतिविधियों में भी संलग्न पाए जाते हैं। इसके पीछे मूल कारण यही माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इन्हीं घुसपैठियों के समर्थन से अपनी राजनीति कर रही हैं। इससे राज्य में हिंदुओं के प्रति दुर्भावना भी निर्मित हुई है। पश्चिम बंगाल के कई जिलों में आज हिन्दू समाज अल्पसंख्यक की स्थिति में आ चुका है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान राजनीति के लिए यह एक बड़ा मुद्दा है। भाजपा के यह मुद्दा संजीवनी का काम कर रहा है, लेकिन बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की कार्यशैली हिंदुओं की इस समस्या के विपरीत ही दिखाई देती है। हद तो तब हो गई, जब ममता बनर्जी बंगलादेशी घुसपैठियों को बसाने के समर्थन में ताल ठोककर मैदान में आ गई। यह भी ममता बनर्जी के राजनीतिक पराभव का बड़ा कारण माना जा रहा है।

कभी पश्चिम बंगाल में राजनीतिक रूप से प्रभावी रही वामपंथी विचारधारा अब लगभग निचले पायदान पर है, और कांग्रेस की उम्मीदें चकनाचूर हैं। ऐसे में अब बंगाल में ममता और भाजपा आमने सामने हैं। राजनीतिक ऊंट किस करवट बैठेगा, यह फिलहाल घोषित करना जल्दबाजी ही होगी, लेकिन बंगाल में जिस प्रकार राजनीतिक वातावरण प्रदर्शित हो रहा है, वह कमोवेश यह बताने के लिए काफी है कि ममता बनर्जी की भावी राजनीतिक राहें उनके लिए कई प्रकार की कठिनाइयों को जन्म दे रही हैं। जो ममता बनर्जी की सत्ता प्राप्त करने में बड़ी अवरोधक भी बन सकती हैं।

चाणक्य नीति

जब प्रलय का समय आता है तो समुद्र भी अपनी मयादा छोड़कर किनारों को छोड़ अथवा तोड़ जाते है, लेकिन सज्जन पुरुष प्रलय के सामान भयंकर आपत्ति अवं विपत्ति में भी आपनी मर्यादा नहीं बदलते।

एक सलाह

झूठ धीरे से बोलोगे तो सभी सुन लेंगे और सच चिल्लाने पर भी कोई नहीं सुनता।

काम की बात

मौन रहना एक साधना है, और सोच समझकर बोलना एक कला।

उदासीन रवैये के कारण गांधीसागर बांध का पुराना पुल दे रहा हादसो को न्यौता

माही की गूंज, मंदसौर।

गांधीसागर बांध के सामने स्थित पुलिया के यहां चंबल नदी की गहराई 70 से 80 फीट है और बांध में बिजली उत्पादन के कारण नदी में पानी बहता ही रहता है। नीमच-भोपाल राज्यमार्ग एवं मंदसौर-कोटा व्हाया रावतभाटा सड़क मार्ग भी इसी पुलिया से होकर गुजरता है। पुल के दोनों तरफ सड़क घुमावदार एवं खतरनाक मोड़ है, 10 वर्षों में लगभग एक दर्जन से भी अधिक वाहनों की दुर्घटना हो चुकी है। इस दौरान पुलिया की रेलिंग क्षतिग्रस्त भी हो रही है पर थोड़ी बहुत मरम्मत कर दी गई है। यहां दिनभर में कई यात्री बसें, छोटे-बड़े वाहन व भारी वाहन निकलते रहते हैं, हालांकि छुट-पुट दुर्घटनाएं होती रहती हैं। सीधी जिले की दर्दनाक घटना से गांधीसागर के जल संसाधन विभाग ने कोई सबक नहीं लिया है, जिम्मेदारों ने अभी तक कोई कार्य शुरू नहीं किया है।

2019 में हुई अतिवृष्टि के दौरान बांध के गेट खुलने पर भी पुलिया की रेलिंग कई जगह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है, कुछ लोडिंग व अन्य वाहन पुलिया की रेलिंग पर लटक भी चुके हैं। वर्ष 2017 में भी गांधीसागर सेक्टर-आठ निवासी 20 वर्षीय मोटर साइकिल सवार युवक रेलिंग से टकराने के बाद उछलकर पानी में गिर गया था। कई बार वाहनों द्वारा रेलिंग को तोड़ने पर विभाग ने जुर्माना भी वसूल किया, रेलिंग की मरम्मत के दौरान घटिया सामग्री का उपयोग करने से कई जगह से रेलिंग खराब हो चुकी है। जिम्मेदार अधिकारियों को संवेदनशील रवैया अपनाकर रख-रखाव भी कराना चाहिए।

बता दे कि, गांधीसागर बांध क्षेत्र में कई वर्षों से सड़क का निर्माण नहीं हुआ है, इसके अलावा पुलिया की भी मरम्मत नहीं हुई है, पुलिया के पास ही एक सुरक्षा चौकी बनाकर रक्षक तैनात किए गए थे, लेकिन कुछ समय पश्चात् ही वहां से सुरक्षा रक्षक हटा लिए गए, वर्तमान में चौकी वीरान है। इस पुल पर रोजाना निजी यात्री बसों सहित भारी लोडिंग वाहनों का आवागमन होता है, खतरनाक मोड़ सहित दोनों तरफ से उतारनुमा सड़क होने से वाहनों के अनियंत्रित होने का भी हमेशा बना ही रहता है। लोगों ने मांग की है कि, जल संसाधन विभाग के अधिकारियों व एमपीआरडीसी के विभाग को संयुक्त रूप से ऐसे पुल पर सतर्कता बनाए रखना चाहिए।

सीईओ ने किया ऑगनवाडी केन्द्रो का निरीक्षण

माही की गूंज, मंदसौर।

ग्रामीण क्षेत्रों मे शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को त्वकरित मिले, इसे दृष्टिगत रखते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ऋषव गुप्ता ने एकीकृत महिला एवं बाल विकास परियोजना मंदसौर की आँगनवाडी केन्द्रो लालघाटी, बुलगडी, गुजरदा, कोचवी, जमालपुरा, खजुरी बडायला का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान ऑगनवाडी केन्द्रा लालघाटी की कार्यकर्ता अनुपस्थित पाई गई व बच्चें भी उपस्थित नही थे, साफसफई का भी अभाव पाया गया केन्द्र में बच्चों के खिलोने अस्त?व्यवस्त पाए गए। इन कमियो के सबंध में ऑगनवाडी सुपरवाईजर ज्योती नवाल एवं ऑगनवाडी कार्यकर्ता कृष्णा बढ़वाल को कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किए गए। वहीं बुलगडी के ऑगनवाडी केन्द्र पर कार्यकर्ता का काम संतोषजनक पाए जाने पर कार्यकर्ता शमशाद बी के कामों की प्रसंशा की गई। गुजरदा के ऑगनवाडी केन्द्र में बच्चो की उपस्थिती बढाने हेतु ऑगनवाडी कार्यकर्ता एवं सहायिका को निर्देशित किया गया। कोचवी के ऑगनवाडी केन्द्र में स्व. सहायता समूह द्वारा बच्चो को भोजन उपलब्धन नही करवाया जा रहा हैं। ग्राम खजुरी बडायला में बच्चे अनुपस्थित पाये गये। कोचवी के ऑगनवाडी केन्द्रय में फ्र्स की मरम्मत एवं खिडकियो में जाली 7 दिवस में लगाने के निर्देश सरपंच एवं स?चिव को दिए गए।

क्या फिर लौट आया कोरोना...

नगरीय क्षेत्रों में मास्क का उपयोग नहीं किए जाने पर लगेगा 100 रुपए फाइन किया

माही की गूंज, रतलाम।

कोरोना संक्रमण के दृष्टिगत जिला संकट प्रबंधन समूह की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई, बैठक में कोरोना संक्रमण से बचाव एवं रोकथाम के लिए कई निर्णय लिए गए, कलेक्टर गोपालचंद्र डाड, पुलिस अधीक्षक गौरव तिवारी, अपर कलेक्टर जमुना भिड़े, सीएमएचओ डॉ. प्रभाकर ननावरे, शहर के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मेडिकल कॉलेज डीन डॉ. शशि गांधी, विधायक शहर चैतन्य काश्यप के प्रतिनिधि के रुप में मणिलाल जैन एवं जावरा विधायक राजेंद्र पांडे वर्चुअल रूप से बैठक से जुड़े थे।

बैठक में कलेक्टर डाड ने बताया कि, कोरोना से प्रभावित राज्य महाराष्ट्र तथा अन्य राज्यों से आने वाले यात्रियों की बॉर्डर पर ही चेकिंग की जाकर थर्मल स्क्रीनिंग की जाएगी। जिले के शहरी क्षेत्रों में कोरोना प्रकरणों में धीमी गति से वृद्धि हो रही है जिससे बचाव किया जाना आवश्यक है। विधायक डॉ. पांडे ने मास्क अनिवार्य करने तथा स्मॉट पहन किए जाने संबंधी सुझाव दिए गए व बैठक में बताया गया है कि, जिले के संपूर्ण नगरीय क्षेत्रों जिनमें नगर निगम, नगर पालिकाएं, नगर परिषद सम्मिलित है वहां मास्क का उपयोग नहीं किए जाने वालों के विरुद्ध पूर्व की भांति चालानी कार्रवाई की जाकर 100 रूपए स्मॉट पहन किया जाएगा तथा 2 मास्क दिए जाएंगे। चालानी कार्रवाई के लिए राजस्व, पुलिस तथा निकायों के अधिकारी, कर्मचारी अधिकृत रहेंगे।

बैठक में निर्णय लिया गया कि, मेले अथवा सार्वजनिक आयोजनों के लिए एसडीएम, तहसीलदार द्वारा स्थल निरीक्षण किया जाकर मौका अनुसार एसडीएम द्वारा मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग एवं सैनिटाइजर आदि की अनिवार्यता के साथ अनुमति दी जाएगी। कोरोना से बचाव के लिए लोगों को रात्रि 11 से सुबह 5 बजे तक अतिआवश्यक कार्य हो तभी निकलने की अपील की गई है तथा मास्क, सैनिटाइजर एवं सोशल डिस्टेंसिंग पालन करने हेतु विभिन्न माध्यमों से प्रचार-प्रसार किया जाएगा। रेलवे स्टेशन पर आने वाले यात्रियों की थर्मल स्कैनिंग की जाएगी एवं मास्क नहीं पहनने वालों से 100 रूपए अर्थदंड वसूली हेतु रेलवे के अधिकारियों, कर्मचारियों को अधिकृत किया जाएगा। बस स्टैंड पर आने वाले प्रत्येक यात्री की थर्मल स्क्रीनिंग की जाएगी तथा सभी बस आपरेटर ध्यान देंगे कि बस में बैठे सभी यात्रियों द्वारा मास्क का उपयोग किया जा रहा है। वैवाहिक समारोह में आने वाले सभी व्यक्ति मास्क का उपयोग करेंगे। कैटरर्स तथा अन्य सरविंग स्टाफआदि को कोरोना टेस्ट किए जाने पश्चात ही कार्य पर लिया जाएगा। इस बात का विशेष ध्यान संबंधित ठेकेदार द्वारा रखा जाएगा। बैंकों तथा सार्वजनिक स्थानों पर मास्क एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना अनिवार्य होगा। सभी शासकीय, गैरशासकीय कार्यालयों में मास्क का उपयोग अनिवार्य होगा। बड़े शहरों में कोरोना के बढ़ते मामलो के चलते प्रशासन एक फिर अलर्ट हो गया है।

एसबीआई बैंक को सीज करने पहुंचा प्रशासनिक अमला

हितग्राहीयों को लोन नही देने का आया मामला सामने

माही की गूंज, शाजापुर। अजय राज केवट

कलेक्टर के निर्देशानुसार तहसीलदार एवं कोतवाली थाना प्भारी उदय सिंह अपने दल-बल के साथ भारतीय स्टेट बैंक की टंकी चौराहा के पास स्थित मगरिया शाखा को स्विज करने पहुंचे थे, लेकिन बंद का आदेश थाना प्रभारी के पास नहीं होने के कारण बैंक को सीज नहीं किया गया और प्रशासन को खाली हाथ लौटना पड़ा था। इस दौरान बैंक कर्मियों व प्रशासन के अधिकारियों के बिच जमकर बहस हुई और बैंक को सीज किए बिना ही अमला वापस लोट गया।

उच्च अधिकारीयों के साथ फिर आए अधिकारी

जिसके बाद प्रशासन का अमला पुनः 3 बजे वापस पहुंचा, जिसमें शाजापुर एसडीएम, अपर कलेक्टर सहित बैंक को सीज करने के लिए पहुंचे, अधिकारी बैंक कर्मियों को समझाते रहे लेकिन बैंक कर्मचारी बैंक को किसी भी हाल में सीज नहीं करने देना चाहते थे। लगातार बैंक की शिकायतें मिल रही थी कि, भारतीय स्टेट बैंक की मगरिया शाखा आम लोगों को मुख्यमंत्री पथ विकता योजना में ऋण प्रदान नहीं कर रही थी, जिसको लेकर लगातार शाजापुर में शिकायतें मिल रही थी। बहरहाल शाजापुर कलेक्टर के आदेश से तहसीलदार एसडीएम एवं अपर कलेक्टर की उपस्थिति में बैंक को सीज कर दिया गया है। शाजापुर में बैंक सीज करने को लेकर दिनभर हंगामा चलता रहा, आखिरकार शाम 4 बजे होते-होते बैंक को प्रशासन ने बैंक सीज कर दिया।

वरिष्ठ पत्रकारों का किया सम्मान

माही की गूंज, भानपुरा (मंदसौर)।

युथ प्रेस क्लब भानपुरा व जितेन्द्र पुरोहित मित्र मण्डल ने भानपुरा के वरिष्ठ पत्रकारो का सम्मान समारोह आयोजित किया गया, इस समारोह के मुख्य अतिथि क्षेत्रिय विधायक देवीलाल धाकड़ थे, विशेष अतिथि संत प्रकाशनाथ महाराज, मन्दसोर जिला प्रेस क्लब अध्यक्ष ब्रजेश जोशी व नरेन्द्र अग्रवाल थे, कार्यक्रम कि अध्यक्षता सांसद प्रतिनिधि जितेन्द्र पुरोहित ने की। आध्य शंकराचार्य सांस्कृतिक भवन में आयोजित इस समारोह में गणमान्य नागरिकों, जन प्रतिनिधियों के साथ युथ प्रेस क्लब व जितेन्द्र पुरोहित मित्र मण्डल ने वरिष्ठ पत्रकारो का शाल श्रीफल, स्मति चिन्ह व अभिनंदन पत्र भेंटकर सम्मानित किया। युथ क्लब के सचिव सुनील माली ने स्वागत भाषण दिया और युथ क्लब के अध्यक्ष साहिल अगवान, उपाध्यक्ष राजकुमार भट्ट, सचिव सुनील माली, कमल राठोर, सुर्य प्रकाश भट्ट, मोहित, अपुर्व चोरड़िया, सहित अन्य सदस्यों ने सभी अतिथियों व सम्मानित पत्रकारों का स्वागत किया।

समारोह को संबोधित करते हुए विधायक देवीलाल धाकड़ ने कहा कि, युथ प्रेस क्लब ने वरिष्ठ पत्रकारो का सम्मान किया है वरिष्ठों मरमट का शाल श्रीफल, स्मति चिन्ह व अभिनंदन पत्र भेंटकर सम्मानित किया। युथ क्लब के सचिव सुनील माली ने स्वागत भाषण दिया और युथ क्लब के अध्यक्ष साहिल अगवान, उपाध्यक्ष राजकुमार भट्ट, सचिव सुनील माली, कमल राठोर, सुर्य प्रकाश भट्ट, मोहित, अपुर्व चोरड़िया, सहित अन्य सदस्यों ने सभी अतिथियों व सम्मानित पत्रकारों का स्वागत किया।

समारोह को संबोधित करते हुए विधायक देवीलाल धाकड़ ने कहा कि, युथ प्रेस क्लब ने वरिष्ठ पत्रकारो का सम्मान किया है वरिष्ठों का सम्मान होना चाहिए राजनीतिक व सामाजिक क्षेत्रों में भी युवाओं को अपने वरिष्ठों का सम्मान करना चाहिए। पत्रकार समाज का दर्पण होता है सकारात्मक सोच से पत्रकारिता का दायित्व पत्रकारों को निभाना चाहिए।

जिला प्रेस क्लब अध्यक्ष ब्रजेश जोशी ने कहा कि, पत्रकार कभी रिटायर नहीं होता है वह जीवन भर समाज व क्षेत्र कि सेवा में लगा रहता है उनके इन कार्यों को लेकर अगर उनका सम्मान होता है तो यह पत्रकारों का हक है कि, पाजेटिव पत्रकारिता करें समाज व क्षेत्र का जितना हम भलाकर सकते है अपनी लेखनी के माध्यम से करना चाहिए। समारोह को जिला प्रेस क्लब संरक्षक नरेन्द्र अग्रवाल, अनिल नाहर, करण भुटानी, लालचंद रुद्रवाल, हरिकृष्ण मरमट ने भी संबोधित किया। समारोह में तहसीलदार राकेश यादव, एसआई लाखनसिंह व थाना प्रभारी धर्मेश सिंह यादव का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन शेखर वधवा ने किया व आभार युथ प्रेस क्लब अध्यक्ष साहिल अगवान ने माना।

समाचार प्रकाशित होने पर बौखलाया रेवाराम दांगी

गूंज असर: बीट प्रभारी ने पत्रकार की प्रतिष्ठा को पुत्र का सहारा लेकर खराब करने का किया प्रयास, तो साहब का हुआ तबादला

11 फरवरी के अंक में प्रकाशित समाचार।

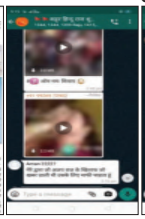

- रिपोर्ट के बाद अमन ने मांगी माफी।

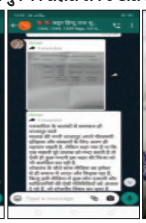

- रेवाराम दांगी ने अपने पुत्र मोनु व अमन का सहारा लेकर झूठी पोस्ट।

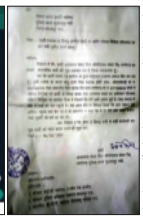

- गूंज प्रतिनिधी ने थाने में की रिपोर्ट दर्ज।

माही की गूंज, शाजापुर। डेस्क न्यूज़

माही की गूंज में जिले के शुजालपुर के सिटी थाने में पदस्थ बीट प्रभारी रेवाराम दांगी की रंगदारी का समाचार 11 फरवरी के अंक में शीर्षक ''सिटी थाने में पदस्थ धूर्त बीट प्रभारी रेवाराम दांगी अपनी दबंगई दिखाकर डरा रहा है पीड़ितों को'' से प्रकाशित किया था। जिसमें 6 फरवरी को एक ऑटो व कार की भीड़त हो जाती है और परिवादी को ही डरा-धमकाकर विपक्षी से पैसा दिलाकर व लेन-देनकर मामले को रफा-दफा करने के साथ ही उसकी रंगदारी व कारस्तानी को उजागर किया था, जिसमें दांगी अपने थाना प्रभारी की छवि धूमिल कर, पुत्र की शादी की तारीख नजदीक आने के बाद से अपराधियों से सांठ-गांठ कर वसूली करने की बात को प्रकाशित किया था। जिसके बाद बीट प्रभारी रेवाराम दांगी ऐसा बौखलाया की उसकी बौखलाहट सार्वजनिक रूप से भी देखने मिली। वहीं दांगी अपनी पृष्ठभूमि के साथ पत्रकार को भी धमकाने व अपने पे आ बनी तो दांगी ने थाने में दर्ज अपराध की सरकारी दस्तावेज को अपने पुत्र मोनू दांगी का सहारा लेकर अपराध के सरकारी दस्तावेज को सोशल मीडिया पर सार्वजनिक कर पत्रकारिता पर लांछन लगाने का प्रयास किया व पत्रकार को नोटीस भेजकर उसके विरूद्ध मामला दर्ज करवाने की धमकी दी गई, साथ ही पत्रकार अजय राज केवट की प्रतिष्ठा को प्रभावित करने का असफल प्रयास किया। वही उक्त पोस्ट को अपने पुत्र के साथ अन्य एक युवक अमन गौर का सहारा लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट को वायरल करवाया, जिसके बाद हमारे प्रतिनिधि ने रेवाराम दांगी की कारस्तानी के साथ मोनू पिता रेवाराम दांगी निवासी मोरटाकेवड़ी व अमन पिता संतोष गौर निवासी राणोगंज के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज करवाई। रिपोर्ट के बाद रेवाराम दांगी का पुत्र मोनू घर से लापता हो गया, वही अमन को पुलिस पकड़ कर ले गई। अमन ने अपनी गलती की क्षमा पुलिस थाने में हमारे प्रतिनिधि के समक्ष मांगी तथा माफीनामा थाने में लिखने के साथ ही अपनी गलती की क्षमा अमन ने सोशल मीडिया पर भी पोस्ट कर मांगी। जिस पर हमारे प्रतिनिधी ने माफी मांगने पर अमन को माफ कर दिया। वहीं पुलिस महकमे में उक्त मामले के साथ रेवाराम दांगी की करतूतो को देखकर शुजालपुर सिटी थाने से तत्काल रवानगी देकर शाजापुर अजाक थाने पर पदस्थ कर दिया गया।

बता दें कि हमारे प्रतिनिधि के विरुद्ध पूर्व में पत्रकारिता के कारण ही झूठे अपराध दर्ज करवाए गए थे, जो मान्य न्यायालय में विचाराधीन है का सहारा लेकर रेवाराम दांगी ने पत्रकार को धमकाने एवं आगे से कोई पत्रकार उसकी रंगदारी की प्रकाशित न कर सके के उद्देश्य के साथ पुलिस विभाग के शासकीय दस्तावेज को बदनियत के साथ अपनी कारस्तानी को अंजाम देने का प्रयास किया था।

फर्जी तरीके से संचालित होम्योपेथिक अस्पताल पर प्रशासन ने की कार्रवाई

मामला: मेडीकल स्टोर में मिली एलोपेथिक दवाइयां, डॉक्टर के पास नही थी डिग्री

माही की गूंज, शामगढ़ (मंदसौर)।

नीम चौक में स्थित होम्योपेथिक निजी अस्पताल पर स्वास्थ्य अमले व पुलिस टीम छापामार कार्रवाई की, यहां पर बड़ी मात्रा में एलोपेथिक दवाइयों के साथ अन्य सामग्री भी जब्त की गई। जांच में यह भी सामने आया कि, अस्पताल का न तो रजिस्ट्रेशन है न डॉक्टर के पास कोई डिग्री है। होम्योपेथिक होते हुए अस्पताल में एलोपेथिक से इलाज के साथ ही अस्पताल के अंदर ही मेडिकल स्टोर्स संचालित पाया गया, इसमें सभी दवाईयां एलोपेथिक मिली। चार-पांच घंटे चली जांच-पड़ताल के बाद टीम ने अस्पताल को सील कर पंचनामा बनाया, अस्पताल में मिली सभी दवाइयों को वाहन में भरकर पुलिस थाने भेजा गया। जांच दल में नायाब तहसीलदार सविता राठौर, बीएमओ डॉ. मनीष दानगढ़ व मंदसौर ड्रग्स इंस्पेक्टर जयप्रकाश कुमावत ने सोमवार दोपहर में पुलिस टीम के साथ अस्पताल का औचक निरिक्षण किया था।

तहसीलदार सविता राठौर ने बताया कि, डॉक्टर डिग्री नहीं बता पाए हैं और मरीजो का इलाज एलोपेथिक पद्धति से कर रहे थे, पंचनामा बनाकर वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत करवाया गया है जिनके निर्देशानुसार कार्रवाई की जाएगी।

डॉ मनीष दानगढ़ ने बताया कि, होम्योपेथिक अस्पताल के नाम से संचालित आशीर्वाद क्लीनिक के कमलेश पाटीदार के पास न तो कोई डिग्री मिली न ही पंजीयन। इसके अलावा अस्पताल में एलोपेथिक दवाइयां बड़ी मात्रा में मिली हैं, अस्पताल फर्जी तरिके से संचालित होना पाया गया है।

ड्रग्स इंस्पेक्टर जयप्रकाश कुमावत ने बताया कि, बड़ी मात्रा में ऐलोपेथिक दवाईयां मिली हैं, जिसकी जांच देर शाम तक चलती रही। कुमावत के अनुसार अंदर ही मेडिकल स्टोर्स संचालित हो रहा था। जहां सभी दवाइयां एलोपेथिक की 70 से 80 हजार की दवाइयां होने का अनुमान है।

शिकायतकर्ता चंद्रशेखर सोनी ने आठ-दस कुछ दिन पहले कलेक्टर को एक शिकायत कर बताया था कि, अस्पताल का फर्जी तरिके से संचालन हो रहा है और मरीजों के साथ खुले आम लूट की जा रहीं है।

डिसेंट कप जिला स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ समापन

शिवाय क्रिकेट क्लब सरदारपुर ने दरबार 11 दंतोली को हराकर जीता खिताब

माही की गूंज, राजगढ़ (ब्यावरा)।

डिसेंट स्पोर्ट्स एकेडमी राजगढ़ द्वारा स्वर्गीय श्री मोहन लाल जी शर्मा (पहलवान) की स्मृति में आयोजित डिसेंट कप 2 का समापन हुआ, प्रतियोगिता 15 फरवरी से प्रारम्भ हुई एवं 21 फरवरी को समापन हुआ। फाइनल मुकाबले में मुख्य अतिथि विधायक प्रताप ग्रेवाल ने क्षेत्र के सभी खिलाड़ियों से अपील की है कि, आने वाले कुछ वर्षों में खिलाड़ियों को बड़े स्तर पर खेलते देखना चाहते है और जो खिलाड़ी बड़े स्तर पर खेल रहे है उन्हें बधाई देते हुए हर्ष व्यक्त किया, खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलने के साथ फिटनेस और इम्युनिटी बढ़ाने की सलाह दी साथ ही सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया।

प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार ब्लॉक् कांग्रेस अध्यक्ष तहसील सरदारपुर रघुनंदन शर्मा की ओर से 21 हजार रुपए शिवाय क्रिकेट क्लब को दिया गया एवं द्वितीय पुरस्कार 11 हजार रुपए अध्यक्ष नगर परिषद राजगढ़ भंवर सिंह बारोठ की ओर से दरबार एंड दरबार 11 दंतोली को दिया गया। वही प्लेयर ऑफद टूर्नामेंट डिसेंट स्पोर्ट्स एंड फ़िटनेस क्लब राजगढ़ की ओर से हर क्रिकेट ग्राउंड शिवाय क्रिकेट क्लब के योगेश चौयल को दिए गए। दर्शको के लिए भी बाउंडरी के बाहर एक हाथ से कैच करने पर डिसेंट फिटनेस क्लब राजगढ़ की ओर से हर कैच पर 100 रुपए का पुरस्कार दिया गया।

नवागत चौकी प्रभारी निनामा क्या उम्मीदों पर खरे उतरेंगे

अवैध शराब बिक्री, सट्टा व बार-बार लगने वाले ट्रैफिक से निपटना होगी बड़ी चुनौती

माही की गूंज, बामनिया। गौरव मंडारी

पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने पुलिस व्यवस्था में फेरबदल करते हुए 8 पुलिसकर्मियों का स्थान परिवर्तन किया है, बामनिया चौकी प्रभारी मोहनसिंह सोलंकी को एसपी ने हटाकर थांदला थाने पर भेज दिया है, वही बामनिया चौकी प्रभारी पर नरेश ननामा को पदस्थ किया है, नए चौकी प्रभारी ने अपना कार्यभार भी संभाल लिया है। अब देखना ये है कि, किस तरह नवागत चौकी प्रभारी अवैध धंधों जैसे शराब, सट्टे पर शिकंजा कसते है व ग्रामवासियो की समस्याओं का निराकरण करते है।

टॉपरी-टॉपरी बिकती है शराब

दुकानों की आड़ में व ढाबो पर अवैध शराब सभी मार्ग पर बेची जा रही है। कई बार इन जगहों पर आबकारी पुलिस कार्रवाई के नाम पर कुछ शराब पकड़कर अपने कार्य की इतिश्री कर लेती है कार्रवाई के बाद ये लोग फिर अवैध शराब बेचने लग जाते है और ये शराब का अवैध कारोबार बंद नही होता।

गलियों-गलियों में चलता है सट्टा

रतलाम रोड हो या स्टेशन के तरफ वाला रोड हो या अंडा गली सभी जगह सट्टे के पाने भरने वाले खड़े रहते है और कई लोग मोबाइल के जरिए सट्टे के अवैध कारोबार में लिप्त होकर पाना भरते है। इस गोरख धंधे में ग्राम सहित ग्रामीण लोग भी फसकर बर्बाद हो रहे है। पुलिस अवैध शराब की तरह सट्टा खाईवालों पर भी छोटी-मोटी कार्रवाई कर इन्हें छोड़ दिया जाता है, इसके बाद ये फिर से अपना अवैध धंधा चालू कर लेते है। वही रतलाम रोड पर सक्षम परिवार का सदस्य व उसका बेटा भी सट्टे का बड़ा अवैध कारोबार सट्टा, मटका हो या आईपीएल मैच हो बड़े पैमाने पर सट्टे का करोबार करता है। अगर पुलिस इमानदारी से प्रयास करे तो इन बाप-बेटो की सट्टा खाईवाली व मैच बुकिंग की ऑडियो भी मिल सकती है कि, किस प्रकार एक पिता अपने युवा बेटे को अपने काले कारनामो की सिख दे रहा व सट्टे के दलदल में धकेल रहा है। बड़े पैमानें पर सट्टे का कारोबार करने के लिए सटोरिए पुलिस को ऊपर तक मासिक बंदी देने का दावा करते है।

ट्रैफिक की हालत खराब

नगर में ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा चुकी है, रतलाम-झाबुआ मार्ग पर दिन भर भारी वाहनों की आवाजाही रहती है और ग्राम के मुख्य चौराहे सहित नारेला रोड, अमरगढ़ रोड पर लगने वाली अव्यवस्थित दुकानो के कारण यहां दिन में कई बार जाम की स्थिति बन जाती है, कई बार विवाद की भी स्थिति बन जाती है। जिससे निपटाने के लिए पुलिस के पास कोई व्यवस्था नही है। नए चौकी प्रभारी पर अवैध धंधों और ट्रैफिक व्यवस्था से निपटने की बड़ी चुनौती है।

आज मनाई जाएगी विश्वकर्मा जयंती

माही की गूंज, काकनवानी।

प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी काकनवानी ग्रामवासी पंचाल समाज के साथ ही सोनी, सुतार, लौहार, कढ़ाई सभी समाज के लोग आमंत्रित कर विश्वकर्मा जयंती बड़े धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।

कार्यक्रम सुबह साढ़े 8 बजे भगवान श्री विश्वकर्मा जी का अभिषेक पश्चात साढ़े 9 बजे शोभा यात्रा के साथ ही भगवान श्री विश्वकर्मा जी का नगर भ्रमण बैंड बाजों के साथ किया जाएगा। भ्रमण पश्चात 3 बजे महाआरती एवं 4 बजे महाप्रसादी का आयोजन किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम पंजीकृत श्री विश्वकर्मा लोहार युवा समिति द्वारा आयोजित किया जाएगा। समिति ने समाज के समस्त बंधु विश्वकर्मा जयंती में पधार कर धर्म का लाभ लेवे की अपील की है।

तीन दिनों तक मंडियों में नीलामी कार्य रहेगा बंद

मही की गूंज, खरगोन। शुक्रवार से लगातार तीन दिनों तक कपास व अनाज मंडियों में नीलामी कार्य बंद रहेगा। मंडी सचिव रामवीर किरार ने बताया कि, उनके समक्ष अनाज एवं कपास व्यापारियों ने आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदन में बताया कि, शुक्रवार को वे हड़ताल पर रहेंगे और शनिवार को संत रविदास जयंति तथा रविवार शासकीय अवकाश होने से अनाज व कपास मंडी में नीलामी में हिस्सा नहीं लेंगे। मंडी सचिव किरार ने सभी किसानों से आग्रह किया है कि, वे तीनों दिन तक अनाज व कपास मंडी में अनाज विक्रय के लिए न लाएं।

आशाग्राम से ताने-बाने का गठजोड़ महिलाओं को बनाएगा आत्म निर्भर

माही की गूंज, बड़वानी।

लगभग 4 दशक पूर्व आशाग्राम के कुछ अंतःवासियों को आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबन का जीवन प्रदान करने के लिए अंबर चरखे से सूत काटने की शुरुआत ट्रस्ट में की गई थी। धीरे-धीरे आवश्यकता और मांग दोनों ही परिष्कृत होकर नवाचार में साल दर साल परिवर्तित होती गई। अंबर चरखे से बनने वाला सूत दरियों में परिवर्तित हुआ, तत्पश्चात 1999 में सूत का स्थान होजरी वेस्ट मटेरियल ने ले लिया। वेस्ट को बेस्ट बनाने का यह प्रयास भी ट्रस्ट के बुनकरों ने साकार कर दिखलाया, जिसका परिणाम यह है कि, आशाग्राम की दरिया जिले की पहचान बन गई है।

अति सुंदर, मजबूत एवं आकर्षक दरियों का निर्माण देखने के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ऋतुराज सिंह आशाग्राम आए तथा उन्होंने दरियों की गुणवत्ता देखकर स्व. सहायता समूह की दीदियों को भी इस आत्मनिर्भर प्रकल्प से जोड़कर दरिया बनाने के लिए एनआरएलएम के जिला अधिकारी योगेश तिवारी को समक्ष में ही निर्देश देकर तत्काल समूह की महिलाओं को प्रशिक्षण दिलाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। ट्रस्ट के सचिव डॉ. शिव नारायण यादव ने भी सहर्ष स्वीकृति देकर स्व. सहायता समूह की महिलाओं को आशा ग्राम में दरी बुनाई प्रशिक्षण देने के लिए अपनी सहमति दे दी।

आशाग्राम पहाड़ी पर रोपी त्रिवेणी

अपना घर वृद्ध आश्रम में वृद्धजनों की कुशल क्षेम जानने पहुंचे मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ऋतुराजसिंह ने वृद्धजनों के हाल-चाल जानकर उनके मनोरंजन के लिए दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने पंचमुखी हनुमान जी पर्वत पर त्रिवेणी रोपकर पथरीली पहाड़ी पर ग्रीन लंग्स अर्थ फाउंडेशन के पहाड़ी को हरा-भरा बनाने के प्रयासों की सराहना की। इस दौरान आशा ग्राम ट्रस्ट के सचिव डॉक्टर शिव नारायण यादव, एनआरएलएम के डीपीओ योगेश तिवारी, ट्रस्ट के सचिन दुबे, हिमांशु , अमित, फुलसिंह आदि उपस्थित थे।

कलेक्टर ने किया फिल्टर प्लांट का आकस्मिक निरीक्षण

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने जल शुद्धिकरण एवं इंटकवेल का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने जहाँ जल शुद्धिकरण की प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की, वहीं पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। इस दौरान ड्डश की प्रभारी अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर सुश्री अंशु जावला, एसडीएम बड़वानी घनश्याम धनगर तथा नगरपालिका के इंजिनियर भी उनके साथ में थे।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने पुर्नवास स्थल के पास बने फिल्टर प्लांट पहुंचकर संबंधित लोगो से जानकारी प्राप्त करी कि, किस प्रकार नर्मदा के पानी को क्लोरीन एवं ब्लीचिंग के माध्यम से साफकर नगर में वितरित किया जाता है। इस दौरान उन्होने फिटकरी की गुणवत्ता का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने नगरपालिका के पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि, फिल्टर प्लांट के आस-पास खाली पड़ी भूमि पर सुंदर-सुंदर पौधे लगाए, जिससे यह क्षेत्र रमणीय बन सके।

इसी प्रकार कलेक्टर ने नर्मदा किनारे पहुंचकर दोनो इंटकवेल का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने मौके पर उपस्थित पदाधिकारियों से जानकारी प्राप्त की कि किस प्रकार मोटरो से नर्मदा का पानी लिफ्ट कर फिल्टर प्लांट को भेजा जाता है। इस कार्य में कितनी मोटर एवं कितना समय लगता है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने इंटकवेल एवं फिल्टर प्लांट के पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि, परिसर में बिना अनुमति किसी का भी प्रवेश न हो, यह अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए।

ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक संपन्न

माही की गूंज, खरगोन। स्वामी विवेकानंद सभागृह में ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा पी ने कहा कि, पंचायतों में निश्चित समयावधि में विकास कार्य किए जाएं। अगर समय पर कार्य नहीं होते है, तो संबंधित अधिकारी व कर्मचारियों को नोटिस जारी किए जाएंगे, इसलिए समयावधि में कार्य पूरा कर नोटिस लेने से बचे। इसके अलावा विगत वर्षों से लंबित पड़े कार्यों को भी जल्द से जल्द पूरा करने निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा ने जिले में स्वनिधि योजना के हितग्राहियों को राशि नहीं मिलने पर एनआरएलएम के ब्लॉक मैनेजरों को फटकार लगाते हुए कहा कि, किन कारणों से हितग्राहियों को राशि नहीं मिली है। इसकी जांच कर त्वरित राशि दिलावाना सुनिश्चित करें। इसके लिए सभी मैनेजर एकजुट व समन्वय बनाकर कार्य करें। क्योंकि हितग्राही व बैंक स्तर पर निरंतर समन्वय जरूरी है। बैठक में जिला पंचायत सीईओ गौरव बेनल, अतिरिक्त जिला पंचायत सीईओ पुरूषोत्तम पाटीदार, आरईएस कार्यपालन यंत्री मयंक तिवारी, जिला योजना अधिकारी डॉ. पीएस मालवीय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पटेलो ने अपने हक के लिए दिया कलेक्ट्रेट में धरना

माही की गूंज, शाजापुर।

शाजापुर कलेक्ट्रेट पहुंचे पटेल संघ के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट का घेराव किया, इस मौके पर कई पटेल संघ के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। पटल संघ के प्रमुख का मानना है कि, पटवारी एवं तहसीलदार ने पटेलों की वर्षो से चली आ रही परंपराओं को कमजोर कर दिया है एवं शासन की तरफ से गांव के कामकाज करने हेतु बुलाया जाता था लेकिन पटवारी, तहसीलदार ने इसे पूरी तरह से निष्किय कर दिया है। इसी मांग को लेकर धरने पर बैठे पटेल के पदाधिकारी लालघाटी थाना प्रभारी अनिल पुरोहित एवं पटेल संघ के प्रदेश अध्यक्ष राजेश पटेल के बीच अपनी मांगों को लेकर तू-तु, मैं-मैं हुई। थाना प्रभारी ने कहा, यह प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से करें। वही पटेल संघ के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि, मध्यप्रदेश की शिवराज सरकार पटेलों की उपेक्षा कर रही है।

दिव्यांग बच्चों के लिए आयोजित की प्रतियोगिताएं

माही की गूंज, खरगोन। दिव्यांग बच्चों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से जनपद शिक्षा केंद्र खरगोन अंतर्गत विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए विकासखंड स्तरीय पाठ्य सहभागी प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। यह प्रतियोगिता बुधवार को डाईट परिसर के अतिरिक्त कक्षों में आयोजित किया गया। इस दौरान गायन, नाटक, चित्रकला, रंगोली, एकल नृत्य व सामुहिक नृत्य की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। बीआरसी एमडी महाजन ने बताया कि प्रतियोगिता के दौरान रंगोली में प्रथम संजय व द्वितीय शीतल रही। वहीं चित्रकला में प्रथम सचिव व द्वितीय सोनाक्षी, गायन में प्रथम गोपाल व द्वितीय अलफिना रहीं। सभी विजेताओं को कलर पेंसिल, स्कूल बेग एवं प्रमाण पत्र पुरस्कार के रूप में दिए गए। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका श्रीमती प्रमोदनी जैन, ब्रजकिशोर खांडे, मुकेश सांवले व त्रिलोकचंद पाटीदार ने निभाई। इस अवसर पर श्रीमती विद्या खिरे, कुंदन भावसार, प्रदीप सोलंकी, श्रीमती दीपाली यादव, श्रीमती सुमन यादव, जगदीश पाटीदार, आनंदराम पाटीदार, मुकेश चौहान, कमल चौहान व इस्माईल खान उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना से लाभान्वित हुए 222 विक्रेता

माही की गूंज, बड़वानी।

मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना के तहत ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से लगाये गए शिविर में बैंको के प्रतिनिधियों ने उपस्थित होकर 222 पथ विक्रेताओं को ब्याज मुक्त 10-10 हजार रूपए के ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किए है। जिले में एक ही शिविर में अभी तक स्वीकृत हुए संख्या के मान से यह सबसे बड़ा शिविर है, जिसमें एक साथ इतने पथ विक्रेताओं को लाभान्वित किया गया है।

ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला अधिकारी योगेश तिवारी से प्राप्त जानकारी अनुसार कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा एवं जिला पंचायत सीईओ ऋतुराजसिंह के निर्देशन में यह शिविर बुधवार को शहीद भीमा नायक शासकीय महाविद्यालय बड़वानी के सभागृह में किया गया था। जिसमें 110 महिलाओ एवं 112 पुरूष पथ विक्रेताओं को लाभान्वित किया गया है।

सिद्ध पीठ पीपलखूंटा हनुमंत आश्रम पर बह रही श्री राम कथा की अमृत मई गंगा

माही की गूंज, मेघनगर।

आठ किलोमीटर दूर स्थित सिद्ध पीठ हनुमान के भव्य मंदिर एवं पीपलखूंटा हनुमंत निवास आश्रम पर श्री राम कथा का आयोजन चल रहा है, भगवान श्री राम की कथा में आस-पास क्षेत्र से एवं राजस्थान, गुजरात आदि कई जगह से जनमानस प्रभु श्री राम कथा का रसपान करने आ रहे हैं। संध्या में रात्रि तक सुंदरकांड का आयोजन भी होता है, सुंदरकांड में अलग-अलग गांव से टोलियां आती है। धार्मिक स्थान व दाढ़की वाले बाबा जमुनादास जी महाराज की तपोभूमि होने से उनके अनुयाई रम्भापुर, मेघनगर, थांदला, झाबुआ, राणापुर दूर-दूर से भक्तगण यहां आ रहे हैं। श्री रामानुज व्यास पीठ पर विराजमान होकर सुंदर व मधुर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की कथा का वाचन पाठ कर रहे है। कार्यक्रम में पीपलखूंटा के महंत श्री 108 दयाराम जी महाराज के दिए कार्यक्रमों का आयोजन करते हुए वर्तमान में मंदिर व आश्रम की व्यवस्था श्री दयाराम जी महाराज संभाल रहे है। महंत जी की अटूट श्रद्धा-भक्ति, समर्पण और दिव्य दृष्टि से तीर्थ नित्य विकास की ओर अग्रसर है। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु रामचरित मानस युवा मंडल के संस्थापक सदस्य संजय श्रीवास, हरिराम गिरभारी, गणेश प्रजापत, मधु खंडेलवाल, अजय परिहार, प्रांजल शर्मा, अमन प्रजापत, वैभव प्रजापत, अशोक बंधु, राकेश परिहार, सुजान हाडा, सागरमल जैन, दिलीप ठाकुर, आनंदीलाल पडियार, रामसिंह ठाकुर आदि मंडल के पदाधिकारियों ने धर्म लाभ लेने की अपील कर रहे हैं।

श्री बलदेव हनुमान एवं माही माता के सानिध्य में 24 वी माही पंचकोशी पदयात्रा

23 से 27 फरवरी तक यात्रा एवं पूर्णाहुति स्थल मां माहिसागर सिद्ध क्षेत्र सरदारपुर

माही की गूंज, झकनावदा।

मां माहिसागर नाम से प्रसिद्ध नदी का उद्गम स्थल ग्राम मिंडा में महिमा माता मंदिर व उद्गम कुंड का दर्शन लाभ यात्रा में शामिल होकर लेवे, 24 वी माही पंचकोशी पदयात्रा सरदारपुर नगर के माही नदी के किनारे स्थित बलदेव हनुमान मंदिर एवं शनि मंदिर से दिनांक 23 फरवरी मंगलवार माघ सुदी ग्यारस को प्रात 9 बजे से प्रारंभ होकर 27 फरवरी शनिवार माघ सुदी पूर्णिमा को माही तट पर स्थित बलदेव हनुमान मंदिर सरदारपुर पर पूर्णाहुति होगी।

24 वी माही पंचक्रोशी पदयात्रा में होंगे धार्मिक आयोजन

बता दे कि, 23 फरवरी मंगलवार को प्रथम विश्राम के पश्चात यात्रा बुधवार ग्राम मिंडा में स्थित माही मंदिर से शुरू होकर सरदारपुर में स्थित नरसिंह देवला मंदिर पर यात्रा का द्वितीय विश्राम हुआ। साथ ही ग्राम बोला के सर्व समाज द्वारा पद यात्रियों के लिए संध्या भोजन की व्यवस्था भी रखी गई, गुरुवार को यात्रा नरसिंह देवला मंदिर से शुरू होकर माही नदी के पावन तट पर स्थित श्रगेश्वर धाम महादेव मंदिर झकनावदा तृतीय विश्राम होगा और साथ ही ग्राम छड़ावद सूर्यवंशी राजपूत समाज द्वारा संध्या भोजन श्रद्धालुओं एवं पद यात्रियों को कराया जाएगा। गुरुवार यात्रा प्रारंभ होकर ग्राम धतुरिया, कोटडा, माही डैम से होकर लाबरिया में यात्रा का चौथा विश्राम होगा और यहां पर ग्राम अमोदिया सर्व सीरवी समाज द्वारा संध्या भोजन की व्यवस्था भी रखी गई है। यात्रा लाबरिया से जोलाना, बोला में दोपहर का भोजन ग्रहण कर सरदारपुर होते हुए माही नदी के तट पर स्थित बलदेव हनुमान मंदिर एवं मां मही माता की महाआरती होने के पश्चात महा प्रसादी का वितरण कर यात्रा का समापन होगा।

कक्षा 10वीं व 12वीं के विद्यार्थियों को ही मिलेगी छात्रावासों में रहने की अनुमति

माही की गूंज, खरगोन। प्रदेश में जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत संचालित समस्त सीनियर महाविद्यालयीन छात्रावास, विशिष्ट संस्थान इनमें आवासीय विद्यालय, कन्या शिक्षा परिसर, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय व गुरूकुलम विद्यालयों को खोले जाना है। इसको लेकर आदिवासी विभाग के आयुक्त ने प्रदेश के जिला कलेक्टर्स को 22 फरवरी से छात्रावास प्रारंभ करने के निर्देश जारी कर दिए है। विभाग द्वारा संचालित छात्रावासों में केवल कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों को ही रहने की अनुमति दी जाएं। कक्षा 9वीं और 11वीं के विद्यार्थियों को छात्रावासों में नहीं रखा जाए। ऐसा करने से छात्रावासों में फिजिकल दूरी का पालन किया जा सकेगा। विद्यार्थियों को छात्रावासों में रखने के लिए अभिभावकों से सहमित पत्र लेने को कहा गया है। प्रत्येक छात्रावास में अलग से एक क्वारेंटाईन कक्ष बनाया जाए।

हाट बाजारों में बिक रहे बड़े आकार के चाकू-छूरे, त्योहारों के मद्देनजर प्रशासंन नहीं करे अनदेखी

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ ही नहीं अपितु जिले भर में लगने वाले साप्ताहिक हाट बाजार में खुलेआम बड़े आकार के चाकू-छूरे बिकते देखे जा रहे हैं, प्रशासन को इस ओर अनदेखी नही कर तत्काल ध्यान देना आवश्यक है, क्योंकि आगामी समय बड़े त्यौहारो का है, कहीं कोई अपराधिक प्रवंती के व्यक्ति इन बडे आकार के चाकू-छूरे का दुरुपयोग कर सकते है। तेज धारदार चाकू-छूरे जो कि, सब्जी काटने के उपयोग में आते हैं उनकी लंबाई-चौड़ाई एक निश्चित सीमा में होती है, यदि 6 इंच से अधिक के चाकू-छूरे होंगे तो वे धारदार हथियार की श्रेणी में आते हैं, जिसका विक्रय प्रतिबंधित होता है। लेकिन विशेषकर साप्ताहिक हाट बाजारों में इन दिनों सब्जी काटने के चाकू-छुरियों के साथ-साथ 6 इंच से अधिक के चाकू-छुरे खुले आम बेचे जा रहे

हैं। आम्बुआ में साप्ताहिक हाट बाजार में एक महिला तथा एक पुरुष ने इस तरह के चाकू-छूरो की दुकाने फुटपाथ पर लगाते है, जानकारी अनुसार इस तरह के तेज धारदार चाकू-छुरे जिले के अन्य साप्ताहिक हाट बाजारों में भी ऐसे ही धड़ल्ले से बिक रहे हैं, आगामी समय में भगोरिया, होली आदि बड़े त्यौहार आ रहे हैं, इस तरह से खुले बेचे जा रहे हथियारनुमा चाकू-छुरो का कोई भी अपराधिक प्रवंती का सिरफिरा व्यक्ति दुरुपयोग कर सकता है, पुलिस प्रशासन को इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

मामले में जब एसडीओपी जोबट दिलीप सिंह बिलवाल से बात की गई तो उनका कीना है कि, दस्ता या हत्ता छोड़कर यदि 6 इंच से अधिक का धारदार चाकू-छुरा यदि कोई बेचता है तो कार्रवाई हो सकती है मैं दिखवाता हूं।

प्रभारी कलेक्टर श्रीमती जैन ने सुनीं आवेदको की समस्याएं और शिकायते

माही की गूंज, अलीराजपुर।

मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई में आवेदकों की समस्याएं और शिकायतों को प्रभारी कलेक्टर श्रीमती संस्कृति जैन ने सुना, जनसुनवाई में अपर कलेक्टर सुरेशचन्द्र वर्मा सहित विभिन्न विभागों के विभाग प्रमुखगण उपस्थित थे, इस जनसुनवाई में कुल 32 आवेदन प्राप्त हुए। जन सुनवाई में प्राप्त आवेदनों में परिजनों द्वारा परेशान करने, चिटफंड कंपनी द्वारा जमा राशि वापसी नहीं करने, जमीन पर अवैध कब्जा, मंदिर परिसर में गुमटी संचालित कर मादक पदार्थ विक्रय करने, श्रेशर में हाट कटने पर मुआवजा, प्रधानमंत्री आवास के तहत आवास स्वीकृति सहित अन्य समस्याओं और शिकायतों संबंधित आवेदन प्राप्त हुए।

श्रीगोड़ वाणी समाज मांगलिक भवन का लोकर्पण कार्यक्रम हुआ सपंन्न

माही की गूंज, जोबट।

श्री गोड़ वाणी समाज मांगलिक भवन के तीन दिवसीय कार्यक्रम के अंतिम दिवस भवन के लोकार्पण का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ, उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शांतिलाल वाणी, वरिष्ठ समाजसेवी जोबट व अध्यक्ष वासुदेव वाणी कोरोना योद्धा इंदौर के करकमलों से सम्पन्न हुआ। इसी अवसर पर समाज के विशेष अतिथि के रूप में अध्यक्ष अखिल भारतीय वाणी समाज आलीराजपुर के योगेंद्र वाणी, एडव्होकेट रसिकलाल वाणी, वरिष्ठ समाजसेवी जोबट धन्नालाल वाणी व अन्य नगरों से पधारे वाणी समाज के अध्यक्ष सम्मिलित हुऐ। लोकार्पण कार्यक्रम के पश्चात माँ सरस्वती पूजन के साथ मंचीय कार्यक्रम प्रारंभ हुआ जिसमे सरस्वती वंदना श्रीमती मनोरमा व श्रीमती अंजना वाणी ने की, स्वागत भाषण नगर अध्यक्ष जयंतिलाल वाणी ने दिया, अतिथियों का स्वागत नगर कार्यकारणी के प्रमुख सदस्यों ने किया। सचिव भुरालाल वाणी ने सामाजिक कार्यो में अग्रणी रहे बालकृष्ण वाणी व स्व. राजुभाई वाणी फैशनप्लाजा को याद करते हुए भावुक हो गए व उनके अधूरे रहे कार्यो को पूर्ण करने का संकल्प लिया, साथ ही समाज की आगामी गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए समाज के भवन निर्माण में आर्थिक सहयोग करने वाले दानदाताओं का उल्लेख करते हुए उनका सम्मान अतिथियों हाथों से करवाया गया। इसी अवसर पर जीवन पर्यन्त समाज सेवा करने वाले शान्तिलाल वाणी के कार्यो का उल्लेख करते हुए उन्हें साल, श्रीफल व सम्मान पत्र भेंट किया गया साथ ही वासुदेव वाणी इंदौर कोरोना योद्धा व कोरोनो वारियर्स को प्रतीक चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। सम्मान के इसी क्रम में समाज के प्रतिभावन जिसने वर्ष 2020 में बोर्ड परीक्षा में श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम व व्यवसायिक कोर्स में सफलता हासिल करने वाले बच्चों को भी प्रतिक चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन अखिल भारतीय वाणी समाज उपाध्यक्ष श्रीमती कविता वाणी किया व आभार युवास उपाध्यक्ष प्रवीण देसला ने माना।

केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने नेचुरल डॉईंग एवं प्रिंटिंग कलस्टर का किया उद्घाटन

माही की गूंज, अलीराजपुर।

भारत सरकार में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम, उद्यम मंत्रालय मंत्री नितीन गडकरी ने पारम्परिक कारीगरों के पुर्नउत्थान योजना न्यू स्फूर्ति योजना के तहत नेचुरल डॉईंग एवं प्रिंटिंग कलस्टर का उद्घाटन जोबट में वीडियो कॉन्फ्रेंसींग के माध्यम से किया। इस अवसर पर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम और पशुपालन, डेयरी व मत्स्यपालन केन्द्रीय राज्य मंत्री प्रताप चन्द्र सारंगी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम को वर्चुअल माध्यम से केन्द्रीय मंत्री गडकरी एवं केन्द्रीय राज्य मंत्री सारंगी ने संबोधित किया। कार्यक्रम को संम्बोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री श्री गडकरी ने कहा, केन्द्र सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम, उद्यम को सशक्त करने के साथ-साथ आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के लिए प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा, नेचुरल डॉईंग एवं प्रिंटिंग कलस्टर के उद्घाटन से पिछडे और आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के कलाकारों को प्रोत्साहन और आगे बढने के लिए मार्ग प्रशस्त होगा। कार्यक्रम के अवसर पर एसडीएम जोबट श्यामवीरसिंह, एलडीएम सौरभ जैन, जीएमडीआईसी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

मेंटेनेंस व देख-रेख के अभाव में स्टॉप डेम समय से पहले हुआ खाली

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ-बोरझाड़ के मध्य की रेखा कही जाने वाली हथनी नदी पर बने स्टॉप डेम का पानी कड़ी शटर को जीर्ण-शीर्ण स्थिति में लगा देने के कारण इस वर्ष भी पानी व्यर्थ ही बह गया जिससे हथिनी नदी के समय के पूर्व ही सुख जाना भविष्य में जल संकट की आशंका को पेदा कर रहा है, विशेषकर कृषकों पशुपालकों के पालतू जानवरों एवं जंगली जानवरों के लिए पानी की परेशानी होना तय है।

आम्बुआ कस्बे के बाहर बहने वाली नदी पर वर्षों पूर्व बने स्टॉप डेम के कड़ी शटर (गेट) टूटे-फूटे हालत में इस वर्ष भी ग्राम पंचायत प्रशासन बोरझाड़ द्वारा लगा दिए गए, जिन्हे बरसात में निकालकर नदी किनारे रख दिया जाता हैं तथा वर्षा के बाद पुनः उसी हालत में लगा दिए जाते हैं। पंचायत प्रशासन का कहना है कि, उसके पास मरम्मत हेतु कोई बजट राशि नहीं है शासन को बार-बार लिखा जाता है मगर राशि स्वीकृति नहीं होती है। इस वर्ष भी ऐसी ही हालत में कड़ी शटर लगा देने के कारण पानी व्यर्थ बह गया और स्टाफडेम के साथ-साथ नदी भी सूख गई, अभी वर्षा काल में लगभग 6 माह का समय शेष है। ग्रामीणों की मांग है कि, स्टॉप डेम के गेट मरम्मत कर लगाया जाए ताकि पानी एकत्र हो सके इस समस्या पर अगले वर्ष जरूर ध्यान देना चाहीए।

सभी ब्लाकों में कांग्रेस ने ज्ञापन देकर मुख्यमंत्री को भेजी साड़ी व चुड़ियां

अलीराजपुर

छकतला

माही की गूंज, अलीराजपुर।

जोबट विधायक कलावती भुरिया को जान से मारने की धमकी देने वाले भाजपा नेताओ के खिलाफअभी तक एफआईआर दर्ज नही करने तथा पुलिस ने दबाव मे आकर कांग्रेसी नेताओ के खिलाफमामला दर्ज करने के विरोधस्वरुप जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष महेश पटेल के निर्देशानुसार ब्लॉक-शहर कांग्रेस एवं युवक कांग्रेस ने मंगलवार को जिला मुख्यालय सहित आजाद नगर, जोबट, सौण्डवा, छकतला, उदयगढ, कठिवाडा मे मुख्यमंत्री के नाम अलग-अलग ज्ञापन सबंधित अधिकारियो को सोंपकर मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चैहान को कुरियर के माध्यम से साडीया एवं चुडिया भेजी गई है।

जिला मुख्यालय पर ब्लॉक-शहर एवं युवा कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान मे कांग्रेसी नेता एवं कार्यकर्ता जिला कांग्रेस कार्यालय से इकट्ठा होकर कलेक्टोरेट कार्यालय पहुंचे, जहां कांग्रेसी नेताओ ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन एसडीएम लक्ष्मी गामड को सौंपा। ज्ञापन के दौरान कांग्रेसियो ने एसडीएम को पार्सल मे रखी साडियां एवं चुडिया भी देना चाही तो, एसडीएम ने मना करते हुए कहा कि, आप लोग इसे कूरियर कर दो मैं इसे नही ले सकती हुं। इधर विधायक भुरिया के अपमान एवं कांग्रेसी नेताओ के खिलाफकार्रवाई के विरोध मे जिले के आजाद नगर, जोबट, सौण्डवा, छकतला, उदयगढ, कठिवाडा ब्लॉको मे स्थानिय कांग्रेसी नेताओ एवं कार्यकताओ ने एसडीएम, तहसीलदार एवं अन्य अधिकारियो को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सोपकर साडिया एवं चुडिया भेट की।

ये रहै उपस्थित

जिला मुख्यालय पर ज्ञापन के दौरान शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरेश सारडा, ब्लॉक कांग्रेस कार्यवाहक अध्यक्ष तरुण मडलोई, युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष शंकर बामनिया, पुर्व युवा जिलाध्यक्ष बापु पटेल, कांग्रेसी नेता जहिर मुगल, राजेंद्र टवली, ललीत जेन, ईरशाद चंदेरी, सुरेश परिहार, राजु बामनियां, ईरफान मंसुरी, पिंटु सेन, प्रवीण डुडवे, धनराज राठौड, सलमान मकरानी, ईकबाल मदनी, कृष्णा मावडा, नितिन भिंडे, रिकेश तोमर, धनसिंग चैहान, लालू, मुकेश कनेश, संजय चैहान, विक्की डुडवे, अजय चैहान आदि कार्यकर्ता मोजुद थे।

जोबट

चंद्रशेखर आजाद नगर

भाजपा नेता व अहिंसा के पुजारी की चरित्रता का फिर हुआ खुलासा

मामलाः इंदौर में हाईप्रोफाईल सेक्स रेकेट में घसीटे गए नेताओं का

माही की गूंज, थांदला।

गरीबों की जेब पर डाका डालकर सत्ता में मदहोश भाजपाइयों का चाल चरित्र बेनकाब होता नजर आ रहा है। झाबुआ जिलाध्यक्ष का मामला अभी थमा नहीं था कि, दूसरा मामला थांदला के भारतीय जनता पार्टी के समर्पण निधि के स्थानीय मंडल प्रभारी व किराना व्यापारी संघ के अध्यक्ष अनिल सुंदरलाल भंसाली और नितेश राधेश्याम सोलंकी को इंदौर पुलिस ने विजय नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत हाई प्रोफाइल सेक्स रैकेट में विजय नगर की शगुन आर्केड बिल्डिंग की दूसरी मंजिल पर एटम स्पा पार्लर में आपत्तिजनक हालत में 12 युवतियों और 11 युवकों को गिरफ्तार किया है। इसी गिरफ्तारी में थांदला के धन्ना सेठ के पुत्र ब्याज के पैसों से रंगरेलियां मनाकर स्वयं के साथ भाजपा व अहिंसा प्रेमी होने की नौटंकी करने वालों को रंगरेलियां के आरोप है। इंदौर पुलिस की कार्यवाही के बाद पूरे मामले की तह में जाने पर यह मामला हाईप्रोफाइल नजर आ रहा है, पुलिस ने 11 पुरूषों को गिरफ्तार कर आरोपी बनाया उस में से 9 लोगों के नाम उजागर नहीं किए है। नगर में जन चर्चा है कि, ऐसे धन्ना सेठों के पुत्रों ने जो समाज को शर्मशार करने वाला कार्य किया है जिसके बाद भाजपा अपने पदाधिकारी पर कोई कार्रवाई करेगी या नही आम लोग इन चरित्रहीन व्यक्तियों की निंदा की जा रही है।

जिला स्तरीय संकट प्रबंधन समूह की बैठक हुई आयोजित

माही की गूंज, अलीराजपुर। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सुरभि गुप्ता की अध्यक्षता में जिला स्तरीय संकट प्रबंधन समूह अलीराजपुर की बैठक आयोजित हुई। बैठक में पुलिस अधीक्षक विजय भागवानी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत संस्कृति जैन, अपर कलेक्टर सुरेश चन्द्र वर्मा, समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, नगर पालिका अलीराजपुर अध्यक्ष रितेष डावर, नगर पालिका अलीराजपुर उपाध्यक्ष मकु परवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष वकीलसिंह ठकराला, कांग्रेस जिला कार्यवाह अध्यक्ष ओम राठौर, विधायक जोबट प्रतिनिधि नारायण सिंह चौहान सहित समिति के अन्य गणमान्य सदस्यगण उपस्थित थे। बैठक में महाराष्ट्र राज्य में कोविड-19 की वर्तमान स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिले के सीमावर्ती ग्रामों में आने-जाने वाले व्यक्तियों का कोविड-19 स्वास्थ्य परीक्षण अनिवार्य रूप से किए जाने का निर्णय लिया गया। कलेक्टर श्रीमती गुप्ता ने एसडीएम सोंडवा एवं सीएमएचओ को ग्राम ककराना, आकडिया, सकरजा में आने वालों का कोविड-19 जांच हेतु विशेष कैम्प आयोजित करने के निर्देश दिए गए। वकीलसिंह ठकराला ने हाट बाजार के दिन आने वाले ग्रामीणों एवं व्यापारियों का कोविड-19 स्वास्थ्य परीक्षण और कोविड-19 संबंधित सावधानी रखे जाने संबंधित सुझाव दिए। जिले में कोविड-19 के संबध में व्यापक प्रचार-प्रसार और जागरूकता के साथ-साथ मास्क, सोशल डिस्टेन्सींग, हाथों की सफाई सहित अन्य सावधानियां बरतने हेतु विषश प्रयास किए जाने का निर्णय लिया गया। कोविड-19 के मद्देनजर शासन स्तर से जारी दिशा निर्देश जिसमें कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं शासकीय एवं आसकीय छात्रावास के संचालन संबंधित दिशा निर्देश की जानकारी से अवगत कराया गया।

पेट्रोल-डीजल की आसमान छूती कीमतों पर युवाओं में आक्रोश

माही की गूंज, अलीराजपुर। संजय गेहलोद

देश में पेट्रोल-डीजल एवं रसोई गैस की कीमतें अपने उच्च स्तर पर चल रही है, जिसको लेकर देशभर में विपक्ष समेत आम लोगों में सरकार के प्रति आक्रोश दिखाई दे रहा है। देश के कई शहरों में पेट्रोल-डीजल का भाव सो रुपए को पार कर गया है। मंगलवार को अलीराजपुर में भी पेट्रोल की कीमत 103 रुपए 83 पैसे और डीजल की कीमत 90 रुपए 67 पैसे रही (आंकड़ेः-हिंदुस्तान पेट्रोलियम) जो की अब तक की उच्चतम कीमत है।

दरअसल जब विश्व कोरोना महामारी को झेल रहा था, उस समय अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट देखने को मिली थी, जिससे देश में भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में गिरावट की पूरी-पूरी संभावना थी। किंतु केंद्र तथा राज्य सरकारों ने पेट्रोल-डीजल पर अतिरिक्त टैक्स लगा दिया था, जिससे गिरावट कीमतों का लाभ आम लोगों को मिलने की बजाए सरकार ने उठा लिया था। अब जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बढोतरी हो रही है, जिससे हमारे देश में भी पेट्रोल-डीजल की कीमते आसमान छू रही है। यदि केंद्र और राज्य सरकार चाहे तो पेट्रोल-डीजल पर लगने वाले अतिरिक्त कर को समाप्त कर उनकी कीमतों पर काबू कर सकती हैं, किंतु सरकारों के जिम्मेदारों के वक्तव्यों से लगता है कि, फिलहाल कीमतें काबू करने में सरकार की कोई दिलचस्पी नहीं है और केंद्र व राज्य सरकारें एक-दूसरे के सिर पर ठीकरा फोड़ने में लगी हैं, उधर कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

जिसको लेकर जिले के कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी आक्रोश जाहिर करते हुए अपनी प्रतिक्रिया दी। सामाजिक कार्यकर्ता संदीप वास्कले ने कहा, सरकारें अपना रेवेन्यू बढ़ाने के लिए आम लोगों को हथियार बना रही है। पेट्रोल-डीजल जब अंतरराष्ट्रीय कारणों से सस्ता हो जाता है तो सरकारें टैक्स बढ़ाकर अपने जेब भरने में लग जाती हैं। लेकिन जब महंगा हो गया तो टैक्स कम करने की बजाए बहाने बना रही है और पेट्रोल-डीजल को अपनी कमाई का माध्यम बनाकर आम लोगों की जेब खाली कर रही है, सरकारों को पेट्रोल-डीजल पर लगने वाले टैक्स को कम करके आम लोगों को राहत देना चाहिए।

पुर्व छात्र नेता एबीवीपी कादुसिंह डुडवे का कहना है कि महंगाई आम लोगों के जीवन में आग में घी छिड़कने का काम कर रही है। कोरोनाकाल ने आम लोगों के लिए कई समस्याओं को जन्म दिया है तो वंही सरकार द्वारा प्रायोजित महंगाई आग में घी छिड़कने का काम कर रही है, पैट्रोल-डीजल व रसोई गैस की महंगाई ने खासकर मध्य और निम्न वर्ग के लोगों की कमर तोड़ दी है। सरकार को महंगाई काबू करने के लिए तुरंत ही कोई ना कोई कदम उठाना चाहिए।

छात्र नेता एसीएस सालम सोलंकी का कहना है कि सरकारे अंतरराष्ट्रीय कारणों का बहाना बनाना बंद करें। पेट्रोल-डीजल के लगातार बढ़ते दाम लोगों के जेब खाली कर रहे हैं, लोग काफी परेशान हैं। सरकारें अंतरराष्ट्रीय कारणों का बहाना बना रही हैं, आपस में आरोप-प्रत्यारोप लगा रही हैं और बीच में आम लोग घसीटें जा रहे हैं। सरकारो को अंतरराष्ट्रीय कारणों का बहाना छोड़कर आम लोगों को राहत देना चाहिए।

साई मंदिर का 20 वां वार्षिकोत्सव आज, महाआरती एवं भंडारे का होगा आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ। साई मंदिर का 20 वां वार्षिक उत्सव आज गुरूवार को मनाया जाएगा। इस अवसर पर विशेष रूप से रात्रि में महाआरती बाद भंडारे का भव्य आयोजन रखा गया है। पं. दिनेश गोस्वामी ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी साई मंदिर का वार्षिक उत्सव हर्षोल्लासपूर्वक मनाया जाएगा। मंदिर से जुड़े साई भक्तों द्वारा सभी आयोजन किए जाएंगे। गुरूवार को सुबह 6 बजे काकड़ आरती बाद 6.30 बजे भगवान का अभिषेक, 7.30 बजे मंगला आरती बाद रात्रि 8 बजे विशेष रूप से स्थापना दिवस के उपलक्ष में महाआरती का आयोजन होगा। बाद भंडारे का आयोजन रखा गया है। रात्रि 10.30 बजे शयन आरती के साथ कार्यक्रम संपन्न होंगे।

आबदी क्षेत्र के मकान में लगी आग, कोई जनहानि नहीं, बेघर हुआ गरीब नारु का परिवार

माही की गूंज, कुशलगढ (राज.)। बांसवाड़ा जिले की कुशलगढ पंचायत समिति की नवगठित पंचायत वरसाला गांव में रविवार रात को हिरायशी मकान में अचानक आग लगने से मकान पूरी तरह जलकर राख हो गया, घर में बंधे दो बैल व एक गाय आग से झुलस गए, इसके अलावा ग्रामीणों की सूझ-बूझ से किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। बताया जा रहा है कि, वरसाला निवासी नारुलाल के मकान में अज्ञात कारणों से मध्यरात्रि में आग लगी थी, आग नरु पिता लालू के मकान में लगी और घर जलने लगा तब पास में शादी में खेल रहे ग्रामीण देखकर दौड़े और आग बुझाई तब तक आधा घर जल चुका था। ग्राम पंचायत वरसाला सरपंच भुरसिहं खराड़ी मौके पर पहुंचे तथा मौका देखकर सरकारी लाभ दिलाने के लिए आश्वासन दिया। वहीं घटना की सूचना पर बीटीपी ब्लाक अध्यक्ष सुरेश निनामा सहित कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंचे तथा पिडित परिवार को ढांढस बंधाया।

आम और खास में ये कैसा फर्क?

महिला अतिथि शिक्षक की शिकायत पर स्कूल प्राचार्य के विरुद्ध दर्ज हुआ मामला

भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नायक के खिलाफहुई योन शोषण की शिकायत पर अब तक नही हो सकी कार्रवाई

माही की गूंज, झाबुआ।

पेटलावद थाना अंतर्गत एक रोचक मामला सामने आया है, जिससे आम और खास का फर्क, एक बार फिर उजागर हो गया। वहीं भाजपा का चाल-चरित्र भी सामने आ गया। गत दिनों 11 फरवरी को ग्राम अमरगढ़ की हाई स्कूल में पढ़ाने वाली अतिथि शिक्षिका की रिपोर्ट पर स्कूल के प्राचार्य भेरूसिंह मैडा पर पेटलावद थाने में अपराध क्रमांक 105, धारा 354 और 354 (क) दर्ज किया गया। अतिथि शिक्षिका का आरोप है कि, प्राचार्य उसको नोकरी पर रखने के एवज में यौन शोषण करने की कोशिश की।

उक्त मामले में प्राचार्य मैडा का कहना है कि, शिक्षिका द्वारा कार्य में लापरवाही की जा रही थी, जिसकी सूचना मेरे द्वारा लिखित में उच्च अधिकारियों को भी दे दी गई थी और संकुल प्राचार्य द्वारा टिप भी लिखी गई थी, इसिलिए मेरे ऊपर झूठा आरोप लगाया गया, संस्था का स्टॉफ और संस्था के बहार के लोग भी मेरे व्यवहार व आचरण से परिचित है, मैं जिवन में भी ऐसे विचार मैरे सम्मुख नही आ सकते।

जांच के नाम पर अटका रखी है फाइल, क्या राजनीति दबाव के चलते पुलिस नही कर पा रही मामला दर्ज

फाईल फोटो

एक और ऑफ दी रिकॉर्ड महिला शिक्षिका के कार्य के प्रति लापरवाही की शिकायत की गई है, जिसके बाद भी महिला ने प्राचार्य पर शोषण का गंभीर आरोप लगाया। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार 11 फरवरी को रिपोर्ट हुई और 11 फरवरी को ही प्रकरण दर्ज किया गया। लेकिन गूंज को मिली जानकारी के अनुसार 5 फरवरी को आवेदन दिया गया और 5 दिन जांच करने के बाद प्रकरण दर्ज किया गया है। एसडीओपी सौनु डावर ने बताया कि, मामले की जांच के बाद ही प्रकरण दर्ज किया गया है।

वहीं दूसरी और पुलिस को 7 फरवरी को महिला द्वारा भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नायक के विरुद्ध की गई शिकायत में रिपोर्ट व बयान दर्ज होने के लगभग 20 दिन बाद भी जांच करने की बात पुलिस कर रही है। मामले महिला और उसके पति के बयान दर्ज होकर ऑडियो रिकार्डिंग भी पेश हो गई है, लेकिन अभी तक पुलिस ने न तो प्रकरण दर्ज किया न ही प्रकरण दर्ज करने से मना किया। मामला सत्ता पक्ष से जुड़ा होने और विपक्ष द्वारा मुद्दा बनाए जाने के कारण राजनीति पेच में उलझ गया है।

मामले में जांच अधिकारी एसडीओपी सौनु डावर का कहना है कि, सभी पक्षो के बयान लिए जा चुके है और अब वॉइस रिकॉर्ड की जांच करवाई जा रही है। जबकि जिलाध्यक्ष लक्ष्मण नायक मीडिया के सामने महिला के सम्पर्क में होने की बात भी स्वीकार कर चुके है।

विधानसभा में उठ सकता है मामला

राजनीतिक सूत्रों के अनुसार सत्ता पक्ष के जिलाध्यक्ष पर लगे गम्भीर आरोपो के बाद अपनी किरकिरी होते देख, ऊपर से ही मामले को होल्ड करने का दबाव पुलिस पर बनाया गया है। प्रकरण दर्ज नही होने पर मामला राजनीतिक तुल भी पकड़ रहा है, जिसमे कोंग्रेस के तीनों विधायक 15 फरवरी को जिला कलेक्टर और एडिशनल एसपी से मुलाकात कर भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण नायक पर प्रकरण बनाने के लिए मुलाकात कर चुके है, लेकिन कोई कार्रवाई नही हुई है। अब कांग्रेस विधायक मामले को विधानसभा में उठाने की बात कह चुके है और 22 फरवरी से विधानसभा सत्र भी शुरू हो चुका है।

पूर्व जिलाध्यक्ष मनोहर सेठिया का फ़ोटोकांड हो या राणापुर मण्डल अध्यक्ष के करीबी रिश्तेदार द्वारा महिला का योन शोषण और ब्लेकमेलिंग प्रकरण, जिलाध्यक्ष लक्ष्मण नायक पर लगे गम्भीर आरोप के बाद अब थांदला के बड़े नेता के इंदौर शहर में चल रहे सेक्स रेकेड में पकड़ाना, इन सभी मामलो को लेकर भाजपा नेताओं के चरित्र पर एक के बाद एक सवाल खड़े हो रहे है और भाजपा की राजनीति लगातार बदनाम हो रही है। ऐसे में मामला अगर विधानसभा में उठता है तो सरकार के साथ प्रदेश संगठन भी परेशानी में घिरता नजर आएगा।

पुत्र से बढ़कर चाय का पहला प्याला पिलाने वाले विवाहित युवक की आत्महत्या बनी चर्चा का विषय

मामला ग्राम के सरपंच व पूर्व भाजपा मंडल के अध्यक्ष के यहां का

माही की गूंज, खवासा। विजय पारिदार

खवासा के सरपंच व पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष रमेश बारिया के यहां चार-पांच वर्ष से भीमकुंड निवासी मुकेश पिता सकरिया जाति वाणिया निवासी भिमकुंड (22) खेती के साथ घर के सारे कार्य व ट्रैक्टर चलाने का कार्य करता था। बताया जाता है कि, रमेश बारिया एवं उनकी पत्नी मुकेश को अपने पुत्र से बढ़कर रखते थे और मुकेश भी रमेश बारिया एवं उनकी पत्नी को मां-बाप से बढ़कर स्नेह एवं प्रेम देकर रहता था।

श्री बारिया ने एक वर्ष पूर्व मुकेश का विवाह अपने पुत्र की तरह ही तलावली की अंगुरी बाई से करवाया और विवाह के बाद से मुकेश के साथ उसकी पत्नी भी खेती के साथ पूरे घर का कार्य बहु एवं पुत्री के अनुसार रहकर कार्य करती थी और दोनों पति-पत्नी को रमेश बारिया के यहां किसी प्रकार की कोई कमी नहीं थी। परंतु न जाने ऐसा क्या हुआ कि मुकेश ने कीटनाशक पीकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली, जो चर्चा का विषय बनी हुई है।

खाना खाते समय आ रहे फोन कॉल ही हो सकते हैं मौत का कारण

प्राप्त जानकारी अनुसार मुकेश की पत्नी खाना लेकर खेत पर रोज की तरह दिन में गई थी वही मुकेश ने उसकी पत्नी एवं खेत में काम करने वाले एक अन्य व्यक्ति के साथ बैठकर खेत पर खाना खाया। खाना खाते समय ही एक से अधिक बार किसी के फोन कॉल उसके मोबाइल पर आ रहे थे, पर वह बार-बार फोन को बाद में बात कर लूंगा कहकर काट रहा था और उसके चेहरे पर कुछ उदासी सी भी नजर आ रही थी। बताया जा रहा है, खाना खिलाकर उसकी पत्नी वापिस रमेश बारिया के घर आकर अपने गृह कार्य में लग गई तो वही मुकेश अपना खेती का कार्य खेत पर अकेला कर रहा था कि, उसने कीटनाशक की दवाई पी ली और फिर रमेश बारिया के घर लथड़ाते हुए आकर उसके पत्नी के सामने ही कहा, मैंने कीटनाशक दवाई पी ली है, जिस पर तत्काल मुकेश को उल्टी करवाई और गाड़ी में बिठाकर सारंगी के डॉक्टर कटारा के पास ले गए, डॉक्टर ने गाड़ी में ही मुकेश के पल्स चेक करने पर उसकी मृत्यु हो जाना घोषित कर दिया।

उक्त घटना सामने आने के बाद हर कोई कह रहा है कि, मुकेश को जब किसी प्रकार की कोई तकलीफ नहीं थी तो आखिर आत्महत्या क्यों की ? उक्त बात से बारिया परिवार भी सदमे में है फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम के साथ मोबाइल जप्त कर मामले की जांच कर रही है। पर कहा जा रहा है कि, वह मोबाइल कॉल ही उसकी मौत का कारण हो सकता है।

रमेश बारिया ने माही की गूंज को बताया कि, मुकेश मेरे पुत्र से बढ़कर था और उसकी शादी भी मैंने ही करवाई थी, मुकेश के साथ उसकी पत्नी भी मैरी पुत्री की तरह यहां पर रह रही थी, खेत पर भोजन करते समय किसी के फोन मुकेश के पास आ रहे थे जिसे वह काट रहा था बहू ने बताया। मुकेश के नहीं रहने से मैरी व मैरे घर की बहुत बड़ी क्षति हुई है।

श्रेय लेने की यह कैसी राजनीति

विधायक व सांसद ने एक ही कार्य का किया दो बार भूमि पूजन

विधायक ना समझ है- सांसद गुमान

माही की गूंज, काकनवानी। नरेश पांचाल

जब सत्ता किसी दूसरे पक्ष की व विधायक विपक्ष का हो तो अधिकारियों को अजीबोगरीब स्थिति का सामना करना पड़ता है, स्थानीय स्तर पर विधायक का दबाव व सत्ता पक्ष के जनप्रतिनिधियों का भी दबाव रहता है। कुछ ऐसा ही दबाव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों में देखने को मिल रहा है, जिसमें एक ही योजना का दो-दो बार भूमि पूजन करवाकर दोनों दलों को खुश करने का प्रयास किया जा रहा है।

थांदला विधानसभा में कांग्रेस के विधायक वीरसिंह भूरिया द्वारा दिनांक 28 जनवरी को नल-जल योजना का काकनवानी में 1 करोड़ 42 लाख 15 हजार, देवका में 1 करोड़ 11 लाख 61 हजार, हरीनगर में 73 लाख 30 हजार, मियाटी में 2 करोड़ 88 लाख 1 हजार, बेझावा में 41 लाख 13 हजार, भैरूगढ़ में 46 लाख 80 हजार के साथ डाबतलाई, कुशलपुरा आदि जगह विकास कार्यों का भूमि पूजन किया गया था। लेकिन राजनीति में काम कम और दिखावा ज्यादा होता है, विपक्षी विधायक द्वारा किया गया भूमि पूजन सांसद को रास नहीं आया और अधिकारियों पर दबाव बनाया, जिसके बाद अधिकारियों ने सांसद द्वारा भूमि पूजन कार्यक्रम 18 फरवरी का तय कर उसके आमंत्रण पत्र बटवा दिए, लेकिन तय तारीख को फिर सांसद ने बदला और 1 दिन बाद 19 फरवरी को भी तय समय से लगभग तीन-चार घंटे देरी से कार्यक्रम में शामिल हुए। दो बार भूमि पूजन के सवाल के जवाब में सांसद ने थांदला विधायक वीरसिंह भूरिया को नासमझ बतलाया और कहा कि, उनमें समझदारी होती तो वह भूमि पूजन नहीं करते और उनको भूमि पूजन करने का कोई अधिकार भी नहीं है, भूमि पूजन का कार्यक्रम भाजपा की सरकार को ही है।

वही कार्यक्रम को लेकर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी के अधिकारी कर्मचारी भारी दबाव में दिखाई दिए, जहां विधायक द्वारा किए भूमि पूजन में कांग्रेस के जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता सम्मिलित हुए तो सांसद के भूमि पूजन में कोई भी क्षेत्रिय कांग्रेसी जनप्रतिनिधि नहीं पहुंचे।

सांसद के कार्यक्रम के लिए अधिकारीगण कांग्रेस नेताओं को फोन लगाकर कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया तो क्षेत्रिय कांग्रेस जनप्रतिनिधियों ने जवाब दिया अब कैसा यह एक ही काम का दुसरा भूमि पूजन है, क्षेत्रिय विधायक के साथ उक नल-जल योजना का भूमि पूजन आपकी ही जानकारी के साथ 28 जनवरी को हो चुका है। जिसके बाद अधिकारीगण क्षेत्रिय जनप्रतिनिधियों से कार्यक्रम में किसी भी प्रकार का व्यवधान न पहुंचाने की अपील करते रहे।

कार्यक्रम बिना कांग्रेस के क्षेत्रिय जनप्रतिनिधी के ही संपन्न हुआ तब जाकर अधिकारियों ने चैन की सांस ली, कार्यक्रम तो संपन्न हो गया लेकिन अपने पीछे कई सवाल छोड़ गया।

जनप्रतिनिधि का दायित्व जनसेवा का होता है और जन सेवा के नाम पर आजकल जो कुछ भी चल रहा है वह किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं कहा जा सकता है, राजनीति केवल चुनाव तक होना चाहिए वह भी मुद्दे आधारित लेकिन पिछले कुछ वर्षों में किसी भी कार्य को लेकर श्रेय लेने की होड़ सी मची हुई है।

28 जनवरी को कांग्रेस विधायक वीरसिंह भूरिया ने किया भूमि पूजन।

19 फरवरी को एक ही योजना का दूसरी बार सांसद गुमान ने किया भूमि पुजन व शिलान्यास।

विश्व के दो बड़े प्रोजेक्ट को संजोए हुए है नर्मदा नदी

माही की गूंज, थांदला। माही भट्ट

मैकाल पर्वत पर भोलेनाथ तपस्या में लीन थे तब उनकी पसीने की बूंद मैखल पर्वत पर गिरी, उस बूंद से एक सुंदर कन्या का जन्म हुआ, वह कन्या भी महादेव के सामने तपस्या करने बैठ गई, जब भगवान शंकर की तपस्या पूरी हुई और उनकी आँख खुली तो वे कन्या को देखकर बहुत खुश हुए और उसका नामकरण नर्मदा के रुप में कर दिया और वरदान दिया कि, संसार मे चाहे प्रलय भी आ जाए तुम्हारा नाश कभी भी नहीं होगा और संसार में पापनाशिनी नदी के नाम से तुम्हारा नाम लिया जाएगा। मैखल पर्वत पर नर्मदा का प्राकट्य हुआ और ये मैखल सुता कहलाई।

पुराणों में कथा आती है कि, जब नर्मदा बड़ी हुई तो राजा मैकल को अपनी बेटी की शादी की चिन्ता हुई। राजा ने घोषणा कर दी कि, जो भी राजकुमार मेरी बेटी को गुलबकावली के फूल लाकर देगा, उसी से मेरी बेटी की शादी होंगी। राजकुमार सोनभद्र ने वीरतापूर्वक यह शर्त पूरी कर दी। सोनभद्र की वीरता से राजा मैकल बहुत खुश हुए और उससे अपनी बेटी की शादी करने के लिए तैयार हो गए। माँ नर्मदा के मन में सोनभद्र से मिलने की इच्छा हुई ऐसे में उन्होंने अपनी दासी जुहिला को अच्छे वस्त्र और आभूषण दे दीजिए और राजकुमार के पास सन्देशा ले जाने को कहा, जुहिला जब माँ नर्मदा का सन्देशा लेकर राजकुमार सोनभद्र के पास पहुँची तो राजकुमार का रूप और उसके गुणों को देखकर मोहित हो गई और उसने अपना परिचय माँ नर्मदा के रूप में दिया। राजसी वेशभूषा और ठाट बाट में आई दासी को राजकुमार सोनभद्र भी उसे नर्मदा समझने की भारी भूल कर बैठे और उन्होंने भी अपना प्रेम का प्रस्ताव जुहिला के समक्ष प्रकट कर दिया। माँ नर्मदा ने जब खुद जाकर देखा कि, जिस दासी को भेजा था वह और राजकुमार दोनो को जिस प्रकार प्रणय निवेदन करते देखा तो उनका मन कांप उठा और वहाँ से उल्टी दिशा में चल पड़ी।

भारत की सारी नदियाँ पूर्व की ओर बहती हैं लेकीन माँ नर्मदा पश्चिम की और चल पड़ी, रास्ते में जंगल पहाड़ियां आती गई माँ नर्मदा ने उनमें से अपना रास्ता बनाती गई और आगे बढ़ती गई।

नर्मदा नदी की गणना देश की सात पवित्र नदियों में की जाती है, नर्मदा एकमात्र ऐसी नदी है जिसकी परिक्रमा की जाती है। नर्मदा भारत की पांचवी सबसे बड़ी नदी है, यह अमरकंटक से निकलती है और खम्बात की खाड़ी में गिरती है इसकी कुल लम्बाई 1 हजार 312 किलोमीटर है। इस नदी का एक नाम रेवा भी है। नर्मदा के तट पर सरदार सरोवर डेम, स्टेचू ऑफयूनिटी विश्व के दो प्रोजेक्ट भी है, 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक ओम्कारेश्वर इसी के तट पर स्थित है।

जबलपुर से निकलती नर्मदा नदी।

सरदार सरोवर बांध।

नहर बंद होने से किसान परेशान

फसल को एसडीओ ने देखा दो दिन में नहर चालू करने का दिया आश्वासन

माही की गूंज, सारंगी। संजय उपाध्याय

माही जल संस्था सारंगी और बोडायता के किसानो ने माही विभाग के दोनों सबडिवीजन के एसडीओ जामोद और कुरेशी को मौके पर बुलाकर सुख रही खड़ी फसल को बताया और नहर को चालू करवाने की मांग की। किसानों की मांग है कि, सारंगी क्षेत्र में माही नहर का पानी 15 दिन बाद छोड़ा गया और अब नहर को बंद कर दिया जिससे किसानों की फसल सुख रही है। किसान लगभग आठ दिनों से एसडीओ कुरेशी से फोन पर बात कर नहर चालू करवाने का आग्रह कर रहे थे, परंतु माही के एसडीओ ओर इंजीनियर जो किसानों को अपनी-अपनी मीठी-मीठी बातो में लगाकर हमेशा गुमराह करते रहे। जब किसानों से उनकी सुखती फसल नही देखी गई तो उन्होंने मोहनपुरा फाटे पर एकत्रित होकर एसडीओ को मौके पर बुलाने की जिद पर अड़ गए, माही संस्था के अध्यक्ष अग्निनारायन सिंह अधिकारियों की हठधर्मिता और किसानों के साथ हो रहे भेदभाव पर एसडीओ पर जमकर बरसे ओर खरी-खोटी भी सुनाई, एसडीओ जामोद ओर कुरेशी ने अपनी गलती स्वीकार की और लोगो को दो दिन में नहर में पानी छोड़ने का आश्वासन दिया। कुछ किसान मोके पर ही धरना देकर तत्काल नहर में पानी छुड़ाने की मांग करने पर अड़ गए, परंतु माही संस्था के अध्यक्ष द्वारा किसानों को समझाकर अधिकारियों की हठधर्मिता और किसानों के साथ हो रहे भेदभाव पर एसडीओ पर जमकर बरसे ओर खरी-खोटी भी सुनाई, एसडीओ जामोद ओर कुरेशी ने अपनी गलती स्वीकार की और लोगो को दो दिन में नहर में पानी छोड़ने का आश्वासन दिया। कुछ किसान मोके पर ही धरना देकर तत्काल नहर में पानी छुड़ाने की मांग करने पर अड़ गए, परंतु माही संस्था के अध्यक्ष द्वारा किसानों की बात सुन उनके आश्वासन पर दो दिन और देखने की बात बुधवार को कही ओर कहा कि, यदि अधिकारी के दिए आश्वासन पर नहर चालू नही होती है तो दो दिनों बाद सारंगी और बोडायता क्षेत्र के किसानों द्वारा मुख्य हाईवे पर चक्काजाम किया जाएगा, जिसकी समस्त जवाबदारी प्रशासन की रहेगी। मोका स्थल पर माही संस्था के अध्यक्ष अग्निनारायन सिंह, जनपद सदस्य योगेंद्र सिंह, माही संस्था के समस्त मेंबर और क्षेत्र के किसान कांग्रेस-बीजेपी के नेता, जनपद सदस्य, सरपंच आदि उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422